एक होने का समय और चिन्ह

शुभ संध्या, यहां आज रात होना और इस जगह पर खड़ा रहना सौभाग्य की बात है।

2 मैं, इस सुबह रास्ते पर आ रहा था... मैं प्रार्थना करते आ रहा था, और प्रभु के लिए रुका हुआ था। और रास्ते पर आते समय, मैंने एक—एक रेडियो पर एक सेवक भाई स्मिथ को सुना, जो एक श्वेत भाई है, (क्या आज सुबह को आप सब ने उसे सुना? आप में से किसी ने भी?) उसे, मैं सोचता हूं यह ऑहियो में है। कोई तो मुझे उसके प्रचार करने के बारे में कह रहा था, और कहा "आपको एक तरह से, उससे सुनना चाहिए।"

3 मैं आज सुबह उसे सुनना चाहता था। और वह निश्चित ही उस बारे में बता रहा था कि कैसे आज संसार में पाप बढता जा रहा है, और वह... और मैंने थोड़ा रेडियो को थोडा आगे घुमाया, किसी और को सुनने लगा। मुझे यहां पर समय पर आना था, मैं तैयार होने पर था देखने के लिए कि कलीसिया आने के लिए बहुत देर न हो जाये, आज सुबह जब में उठा। और आज रात सचमुच ही बहुत ही सौभाग्यशाली होंगे और प्रभु की सेवा करने के लिए।

4 और भाई नेविल के बारे में बात करते हुए, और उस दिन उन्होंने उस संदेश को दिया, इस छोटी महिला के लिए, हमारी बहन जो हाल ही में हममें से चली गई है। वह बहन थी, हम जानते हैं वह बहन कौन थी, वह बहन व्हीवर थी। और यहां एक व्यक्ति के बारे में सोचते हुए, जिसका आज रात बपतिस्मा करना था; बहन... मैंने उसे यहाँ इस तलाब पर बपतिस्मा दिया था, जब मैं... उन्होंने उसे यहां एक व्हीलचेयर में लाया था। वह कैंसर से मर रही थी; और उसके पास केवल जीने के लिए वो ही रात थी; डॉक्टरों ने उसे छोड़ दिया था, वह अगली सुबह मरने जा रही थी। और मैं उसके घर में गया और उसके साथ दिव्य चंगाई के बारे में बात करने की कोशिश की, और वह बस बार–बार कह रही थी, "मैं—मैं इस योग्य नहीं हूं कि एक सेवक मेरे घर में आये।" उसने कहा, "मैं एक पापी हूं।" लेकिन उसने कहा, "श्रीमान, मैं इस तरह से नहीं मरना चाहती हूं।" तो ग्रेस वेबर यहां पर है, जो मुझे वहां पर लेकर गयी। मैं तभी वहां सभाओ से आया था, मैं

थका हुआ था; और वहां पर जब मैं उसके लिए प्रार्थना कर रहा था, और उसके लिए वचन में से पढा और वो बच गई थी। तब वो बहुत ही मुश्किल से अपने हाथों को उठा सकती थी, लेकिन वो हर एक के साथ हाथों को मिलाना चाहती थी। वह बस... कुछ तो उसके साथ हुआ।

5 और जब वे अपने हाथों को मिला रहे थे, मैंने उसके लिए एक दर्शन को देखा कि वो एक मुर्गी के बाडे में जा रही है और वापस आ रही है। मैंने कहा, "अच्छी बात है यह अब सही होने जा रहा है," और यह अठारह वर्ष पहले की बात है। और उसने उस कैंसर से छलांग लगाई थी, हमेशा के लिए। यदि वो बहन मरी है तो... वह कैंसर से नहीं मरी, उसे एक दिल का दौरा आया था और उसे मार डाला। उन्होंने उसे ऑक्सीजन के अंदर रखा था; वो एक दिल के दौरे में मर गई।

6 और तब मैं सोच रहा था, जैसे ही अंत पर जब लोग बाहर जा रहे थे और उन्होंने गीत को गाया, *तब यीशु आया*। यह बिल्कुल वही है, जो हुआ था, उसने आकर और उसके जीवन को बचा लिया, उन अठारह वर्षों के लिए। मैंने सोचा, यह कितना उपयुक्त है। वह स्त्री शायद नहीं जानती थी वो इस तरह से करने जा रही थी। तब, फिर से वो जान गई हो। लेकिन बस उस भाग का होना कितना उपयुक्त है, *तब यीशु आया*।

7 अब उससे कुछ ही समय पहले, मैं—मैं आशा करता हूं, मेरी बडी सभाओं के लिए व्यवस्था है, मैं सचमुच में थोड़ा बेचैन था, आज सुबह मैं बहुत ही परेशान था, मैं वहां ऊपर प्रार्थना के लिए—लिए गया। और मैं—मैं वापस घर पर आया। मेरे परिवार को मैंने तभी उन्हें एरिजोना में लेकर गया, और मैं... बच्चो को स्कूल में भेजना था। मैं यहां पर आराम करने के लिए—लिए वापस आया, भाई वूड और यहां पर के कुछ भाईयों के साथ शिकार के लिए जाऊंगा; आने वाले सप्ताह में, बाहर शिकार के लिए जाऊंगा। हम वहां नीचे कैंटकी में जायेंगे। और मैं... मैं... मैं बस उसी—उसी दिन पर आया, जब श्रीमती वीवर मर गई थी और यह बस ठीक यहां पर मेरे आने से पहले हुआ जिससे मैं हो सका था और भाई नेवील को उस अंतिम संस्कार में मदद कर सका।

8 और मैं कोशिश नहीं करता... मैं इसके बारे में ज्यादा कहने की—की कोशिश नहीं करता, आप जानते हैं, लोग शिकायत करते रहते हैं। क्योंकि मैं सोचता हूं कि यह सब से एक भयंकर बात है, यह देखना कि एक पुरुष

और स्त्री जो हमेशा ही शिकायत करते रहते हैं। मैंने हमेशा ही सोचता हूँ, "परमेश्वर मुझे इस से दूर रखें।" देखो, यह हर समय विश्वास को कमजोर करता है, आप जानते हैं। आप केवल—आप केवल... यदि आप—यदि आप मैं जानता हूं, जैसे–जैसे वे बड़े होने लगते हैं, हम में से हर एक जन, हमें कुछ तो होते जाता है, और कुछ तो होते जाता है। और मैं जानता हूं वे छोटी बातें बहुत ही बड़ी लगने लगती है, यही होता है जब आप बड़े होने लगते हैं, ये बस ऐसे ही होता है। लेकिन मैं सबसे भयंकर चीज के बारे में सोचता हूं कि वो शैतान, जो कुछ लोगों के जीवन में ताज को पहनाता है; उस एक चिडचिडे बुढे पुरुष या एक बूढी स्त्री को, आप देखते हैं। मैं—मैं आशा करता हूं कि मैं उस जगह पर नही पहुँचुंगा। मैं आशा करता हूं कि मैं इसे सह सकता हूँ, जो मेरा बोझ है, और उस एक ही स्थान पर जाने के लिए जहां... मैं अपने जीवन को परमेश्वर की महिमा का ताज पहनाना चाहता हूं: उसकी सहनशीलता, सज्ञनता, शांति, दीनता और पवित्र आत्माओं से भरना चाहता हूं।

9 और मैं... मेरी मुख्य बात में एक यह बात हैं, जो हमेशा ही मेरे जीवन से मुझे दुख देती है, मेरी अधीर स्थिति रही है। यही जब मैं बहुत ही फिर बहुत थका हुआ रहता हूं, मैं थक कर चूर हो जाता हूं। मैं... ऐसा महसूस करता हूं, जैसे कोई भी तुम्हारी परवाह नहीं करता है, आप जानते हैं, और—और आप सब... ऐसा आपके साथ भी होता है। और मेरे साथ हाल ही में ऐसा हुआ, यह वास्तव में कुछ ज्यादा ही था, आप जानते हैं, यह कभी–कभी बहुत ही ज्यादा ख़राब होता है, और मैं नहीं सह सकता हूँ... ये दिमागी तनाव (Tension) होता है, और यही है जो उसे करता है। और मैं बहुत सी बार उस स्थान पर चला जाता हूं, विशेषकर वे बहुत सारे दर्शन मुझे दिखाई देते है, आप देखते हैं, यह बस मिलते है। मैं एक व्यक्ति की ओर देखकर, मैं सोचता हूं, "यह एक दर्शन है। नही, नही। यह दर्शन नहीं है। हां! क्या यह दर्शन नहीं है? " आपने देखा? और आप जानते भी नही इसके साथ क्या दाम चुकाना पड़ता है। तो फिर—तो फिर आप—आप सोचे। फिर आप सोचने लगते हैं, "तो ठीक है आप... " अपने आप को एक तरफ करते हैं, और कहते हैं, "तो ठीक है, अब मैंने—मैंने क्या किया है? मैं—मैं यहां पर हूं, मैं पचास वर्ष का हूं, मैंने कुछ भी प्रभु के लिए नहीं किया है; और मैं—मैं बूढ़ा हो रहा हूं। और क्या... ? ओह, प्रभु।" फिर आप बस... हम जो हमेशा ही कहते रहते हैं "उदास होना।" आप में

से कुछ भाई लोग जो मेरी उम्र के है, याद है वे हमेशा ही कह कर पुकारते थे, "उदास हो जाना" पोप अक्सर इसके बारे में बात करता है, और मैं सोचता था, उसका क्या मतलब है और अब मैं निश्चय ही जानता हूं कि उसका क्या मतलब था। तो इसलिए फिर आप उस तरह से महसूस करने लगते हैं, जो इस में से कुछ भी सच नहीं है; यह तो बस आप ही है, आप इसे जानते हैं। देखो, आप इसे जानते हैं, यह तो केवल आप ही इसे कर रहे हैं।

10 इसलिए मैं अब थोड़ा सा अपने आप को शांत करने की कोशिश कर रहा हूं, और उस—उस बड़े दबाव के लिए तैयार कर रहा हूं जो मैं आशा करता हूं बहुत जल्द आ रहा है। और फिर वहां से होते हुए... मैं ठीक दूर न्यूयॉर्क चला जाऊंगा और मैं... वहां पर एक सभा है, एक अभियान। और फिर सिवरिपोर्ट पर चला जाऊंगा, फिर वापस फोनिक्स आ जाऊंगा। और फिर पश्चिम की ओर आकर... और संयुक्त राज्य की दक्षिण सीमा में आ जाऊंगा। और फिर अब वे लोग इंतजाम कर रहे हैं, वहां समुंदर पार जाने के लिए, जिसे हम जितना जल्द आरंभ कर सकते है, करेंगे, पहले वर्ष के बाद हो सकता है मार्च, अप्रैल ऐसे ही कुछ होगा; जहां हम स्टॉकहोम या ओस्लो से आरंभ करके और सारे संसार में जायेंगे, यदि हम इसे अगली यात्रा पर कर सकते हैं तो।

11 और अब मैं अपने घर पर हूं, थोड़ा सा विश्राम कर रहा हूं ताकि अपने आप हो एक प्रकार से सही हालत में लाऊँ। और यदि प्रभु की इच्छा हुई तो, मैं अगले रविवार को केन्टकी में से वापस आऊंगा। और—और यदि यह सब सही है तो, परमेश्वर को प्रसन्न करना और भाई नेविल यदि मन में ना करें तो; ठीक है, मैं बस अगले रविवार को सभा लेने की कोशिश करूँगा, यदि—यदि प्रभु की इच्छा है तो। और यदि उसकी वैसे ही इच्छा है जैसे भाई नवीन की है तो मैं—मैं यहां पर रहूँगा। जी हां श्रीमान, उसकी वैसे ही... यदि उसकी भी इच्छा है जैसे भाई नेविल की है। मैं आशा करता हूँ उसकी है। अब, देखो मैं जानता हूं मैं जल्दी ही आऊंगा, यदि प्रभु की इच्छा हुई, तो मैं कुछ समय के लिए आपसे दूर चला जाऊंगा।

12 और मैं... बस छोटे संदेशों को, जैसे कुछ तो मेरे हृदय पर होता हूँ, तब मैं—मैं—मैं महसूस करता हूं कि जैसे मैं आपको इसे व्यक्त करूं, आप देखना, और हम इसके इर्द–गिर्द संगती कर सकते हैं। अब, मेरे पास उनमें

से कुछ पांच या छः है, जो पिछले कुछ ही दिनों में मुझे मिले हैं। और मैं यहां से कुछ दिन पहले गिलहरी का शिकार करने के लिए गया था। और मैं जंगलों में गया और अपने साथ कलम और पेपर को लिया था। समझे? अब लगभग उस समय पर यह अच्छा लगता है और दिन का उजियाला होता है, मैं पेड़ के सहारे टेक कर बैठ जाता हूं। यदि मैं सोने नहीं जाता हूँ तो मैं प्रार्थना करना आरंभ करता हूं। और तब मुझे, प्रभु मुझे कुछ तो देगा, मैं लिखना आरंभ करता हूं, आपने देखा। आप जानते हैं कि मेरा क्या मतलब है; जब आप अपने आप में आ जाते है, और फिर... अब तब मैं आकर पढ़ने के टुकड़े पर कुछ लिखता हूं। और फिर जब मुझे बुलाया जाता है, मैं दौड़कर अपने पेपर के टुकड़े को लेता हूं, और इसमें से होकर जाता हूँ और देखता हूं, मैं किस बात से आरंभ कर सकता हूं, आप देखते हैं। यही हैं, जो ठीक अभी घटित हुआ है।

13 इसलिए अब मैं चाहता हूं, यदि प्रभु की इच्छा हुई तो मैं बस बोलना चाहूंगा... मैं लंबे संदेशों को छोटा करने की कोशिश कर रहा हूं, आप देखते हैं; इससे आपका घंटो समय निकल जाता है। और प्रभु ने मेरी शिकागो पर सहायता की जिससे मैंने एक छोटे से संदेश को लिया, वहां पिछली रात को, लगभग तीस मिनट तक। और किसी ने तो वहां आकर कहा, "मैं नहीं सोचता कि यह आप थे, लेकिन आपने इसे किया!" तो लगभग दो या दो ढाई घंटे से केवल आधा घंटा, आप जानते हैं। इसलिए हो सकता है कि मैं आज रात जल्दी कर सकता हूँ, और थोडा सा अभ्यास करूंगा कि आपको ज्यादा समय तक नहीं रोके रखूँ।

14 परमेश्वर आपको आशीष दे। कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं जहां कहीं भी जाऊं, वहां पर यहाँ इस भवन के जैसा कोई भी स्थान नहीं होगा। ये घर है, प्यारा सा घर। और मैं वीवर परिवार के साथ हमदर्द हूं। और इस बहुमूल्य काले भाई के लिए जो गुजर गए है। उसके जाने से कुछ समय पहले मैंने उसके साथ प्रार्थना की थी, वो एक अच्छे चरित्र का व्यक्ति था। और अब वो प्रभु के साथ घर पर है, और यह सब समाप्त हुआ है। और कैसे भी आपको वहां पर जाना ही है, और हम सब यह जानते हैं। इसलिए हम... होने पाये प्रभु उनके प्राणों को शांति में विश्राम दें, और किसी दिन हम अपेक्षा में हैं कि वहां उस ओर देश में उसके साथ जुड़ेंगे, जहां पर कोई बीमारी नही है, दुख, मृत्यु नहीं है। तब तक के लिए आइए हम सब बस हर एक उस चीज को करे, जो सुसमाचार के लिए कर सकते है।

15 मानसिक तनाव (Tension) के बारे में बोलते हुए, मैं आज सुबह इसी के बारे में प्रार्थना कर रहा था। आप क्या करोगे, यदि आप के पास मानसिक तनाव ना हो तो? केवल इस पर सोचे। मानसिक तनाव यह जीने का एक भाग है। यह इसने एक प्रकार से मुझे प्रोत्साहित किया, जब मैंने इसे सोचा। यदि आपके पास मानसिक तनाव नहीं है, तो आप एक चिथड़े की गुड़िया के समान है, आपके पास कोई भी भावनाये नही होंगी। आपके पास कुछ भी नहीं होगा जिस पर आप कार्य कर सके। जैसे एक पति और पत्नी, हो सकता है, वो कुछ तो करना चाहती है और वे एक साथ मिलकर काम करने की कोशिश करते है (विशेषकर मसीह लोग) और जो दूसरा है वह चाहता है... और फिर जब उसके लिए एक साथ आते हैं... आप देखेंगे उसने क्या किया है; वो देखती है... देखो मानसिक तनाव सचमुच में आपको एकसाथ नजदीक लाता है। और कोई तो आप को कहता है, "तो ठीक है," कहता है, "केवल उस छोटी पत्नी के लिए सोचें, जो बहुत ही एक मानसिक तनाव से गुजरी है, जब आप वास्तव में अच्छे नहीं थे या पति किसी मानसिक तनाव से गुजरा है, जब आप वास्तव में अच्छी नहीं थी। फिर यह सब कुछ क्षमा किया गया, देखो, आपने किस तरह से उसके बारे में महसूस किया। ओह, आप बस... " देखो आपके पास मानसिक तनाव को होना ही है। ऐसा ही है।

16 और केवल भावनाओ के बारे में सोचे। क्या हो, यदि आपके पास कोई भी भावना नहीं होती तो, कोई भी दर्द या कुछ भी नही? क्या हो यदि वहां पर कोई दर्द ही नही हो तो? और आपके पास कोई भी भावना नहीं थी तो, तब आपकी चेतनाओ में से एक चेतना खत्म हो गई होगी। देखा? इसलिए, देखो, कोई भी चीज कोई भी तरह से ठीक है। इसलिए, "परमेश्वर, हमें इस पर खड़े रहने के लिए अनुग्रह को देना," यही वो बात है। यदि हम उस अनुग्रह के साथ बस खड़े हैं तो, और वहां खड़े होकर और कहते हैं, "हम जानते हैं कि जब यह जीवन समाप्त हो जाएगा, वहां उस तरफ एक महान जीवन होगा, जहां पर हम जाने के लिए देख रहे है।" और अब हम, याद करते हैं, उन सारी चीजों को, ये वो एक मानसिक तनाव है।

17 ऐसा, कुछ लोग मसिहत का परिचय कराने की कोशिश करते हैं, कि "आप चिंताओं से आजाद हैं। आप... " नही, आप आजाद नही है। "आप मानसिक तनाव से आजाद है।" ओह, नहीं है! आप मानसिक तनाव को जोड़ देते हैं, जब आप एक मसीह बनते है, क्योंकि आप एक तरह के ढीले–

ढाले है, अल्लड है, जो कुछ भी वहां पर था, आप परवाह नहीं करते थे कि आपने क्या किया।

18 लेकिन जब आप एक सचमुच मसीह बनते हैं, हर एक क्षण आप सोचते रहते हैं कि "क्या मैं मेरे प्रभु को प्रसन्न कर रहा हूं? यदि मैं उससे सुन सकता हूं तो!" यह आपको एक मानसिक तनाव में डाल देता है, आपको पहरे में डाल देता है। यही है जो आपको बनाता है, जो आप हैं। इसलिए जो कुछ भी हो, मानसिक तनाव एक आशीष है। यह बिल्कुल उसी तरह से है, जैसे आप उसकी ओर देख रहे हैं। यह बिल्कुल उसी तरह से हैं आप उसकी ओर देख रहे हैं। समझे? यदि आप केवल दूसरी तरफ से देखते हैं, वहां—वहां... कोई फर्क नहीं पड़ता आपने किसी भी चीज को कितना बारीक काटा हो। आपके पास फिर भी इसके दो बाजु होंगे, आप देखते है। इसलिए आप दोनों तरफ देखना चाहते है।

19 इसलिए मानसिक तनाव... मैं सोचता हूं, "ओह, प्रभु, ये... यह मानसिक तनाव क्या है? यदि मैंने इस मानसिक तनाव के बगैर जन्म पाया होता तो।" तो ठीक है, यदि मेरे पास यह मानसिक तनाव नहीं होते थे तो, मैं वैसा नहीं होता था जैसा मैं हूं। शायद, मैं एक मसीह नही होता था। यह तो ये मानसिक तनाव है, जो मुझे इस यीशु मसीह की ओर खींच लाया है। देखा? इसलिए यह मेरे लिए एक आशीषित बात रही है।

20 तो फिर जैसे पौलुस ने कहा, जब वो भले ही एक मानसिक तनाव से गुजर रहा था या कुछ तो और ही, उसने प्रभु से तीन बार सम्मति ली थी कि—कि उसे इससे दूर करे। और प्रभु ने कहा, शाऊल, मेरे पौलुस... मेरा अनुग्रह तेरे लिए काफी है।

21 उसने कहा, "तब मैं दुर्बलताओ में महिमा करूँगा। जब मैं दुर्बल होता हूं, मैं बलवान होता हूं।" समझे? जब तक यह परमेश्वर की इच्छा होती है, तो ठीक है।

22 अब, मैंने उससे एक समय सम्मति की थी जब यह अक्सर मेरे लिए बहुत बुरी तरह से चिंताजनक था, इससे मैं भयभीत हुआ। और उसने मुझे लगभग आठ या दस वर्ष पहले बताया, उसने कहा, "तुम्हें ये दुबारा भयभीत नहीं करेगा," और इसमें कभी भी भयभीत नहीं किया। नही श्रीमान; नहीं—नही इसके बारे में चिंता मत करना। यह तो केवल महसूस करना है, लेकिन मैं जानता हूं यह वही पर है; लेकिन मैं आगे बढ़ता हूं,

क्योंकि यह मुझे और भयभीत नहीं करता है, इसके लिए मैं इसका बहुत ही आभारी हूं।

अब, वो यह कह सकता है, "यह अब और नहीं रहेगा," केवल जितना हो सकता है, "तुम और मत भयभीत होना।"

23 इसलिए यह उसकी इच्छा है, कि ऐसा होता है, तो इसलिए मैं इसे बस अंगीकार करता हूँ और कहता हूं, "धन्यवाद, प्रभु मैं उस मार्ग पर चलूंगा।"

24 अब आइए हमारे सिरों को कुछ क्षण की प्रार्थना के लिए—के लिए झुकाएंगे। क्या कोई एक विशेष प्रार्थना की विनंती है? (मैं देखता हूं यहां पर रुमाल रखे हुए हैं) अपने हाथों को उठाये। प्रभु, अपने हर एक बच्चो को आशीष देना।

25 हमारे स्वर्गीय पिता, जैसे हम आपके भव्य अनुग्रह के सिहासन के पास आते हैं, क्योंकि हमें बोला गया है कि वहां पर आना है। हम यीशु मसीह के आदेश के ऊपर आ रहे हैं। और हम अपनी सारी चिंताओं के साथ आते हैं और हम उन्हें उस पर डाल देते हैं, क्योंकि वह आपकी हमारी चिंता करता है। क्या ही एक महान हमारे लिए दिलासा है, यह जानना कि वह हमारी चिंता करता है। वह स्वर्ग का महान परमेश्वर, वह सृष्टिकर्ता; हमारी चिंता करता है, जो उसकी सृष्टि है। हम इसके लिए बहुत ही आनंदित है, प्रभु। हमारे लिए क्या ही एक दिलासा है, इस समय पर, जिस समय में हम रह रहे हैं, जब ऐसा दिखाई देता दे रहा है, दिलासा आपके वचन को छोड़ कही भी नही हो सकती है। यही हमारी सांत्वना है, यह आपकी प्रतिज्ञा है। और आपकी प्रतिज्ञा में आपने कहा, अपनी विनतीयो को अवगत कराये, "और यदि तुम मेरे नाम से कुछ भी मांगते हो, मैं इसे करूँगा।" और यह सारी महान प्रतिज्ञाये, "मांगो और तुम्हे दिया जायेगा।, इस पहाड़ से कहो, 'हट जा' और संदेह मत करो, और यह हट जाएगा।" यह सारी प्रतिज्ञाये और हम इसे पा सकते हैं, जिसे हम अभी मांग रहे हैं।

26 हाथ ऊपर उठे हुए हैं, उनकी कुछ तो आवश्यकता है, प्रभु। आप उनकी आवश्यकता को जानते हैं; पिता, उन्हें प्रदान करे। मैं अपनी प्रार्थना को उनके साथ आपके आगे रखता हूं, मेरे हाथ उनके हाथों के साथ ऊपर उठे हैं। यहां मेज पर रुमाल रखे हुए हैं। ओह, उन लोगों के पास कितना विश्वास है, शानदार विश्वास, प्रभु... ऐसा दिखाई देता है, आपने किसी

बात से मुझे आशीषित किया है, जिससे की मैं इन बीमार लोगों के लिए प्रार्थना कर सकूं। जहां कहीं भी, कहीं पर भी, कहीं पर भी मैं जाता हूं तो बीमारो के लिए प्रार्थना करता हूँ। परमेश्वर, अब सहायता किजिये। मैं ईमानदारी से प्रार्थना करता हूं कि आप उनके रखे की रुमालो की प्रार्थनाओं को जो यहां पर रखे हुए हैं, प्रदान करेंगे, जो लोगों ने मांगा है। आप की दया उन पर होने दो।

27 प्रभु हम समझते हैं कि बहन हिक्स यहां पर जो एक महिला है, जो कहीं से तो हवाई जहाज से यहां पर प्रार्थना के लिए आयी है, उसके लिए जो कैंसर से पीड़ित है; और वह जानना चाहती थी यदि यहां पर उसे ला सकती है। मैं प्रार्थना करता हूं परमेश्वर कि आप उस महिला के जीवन को बचा लीजिये; इसे प्रदान करें। मेरा छोटा भांजा मिक्की, वहां पर बीमार पड़ा हुआ हैं और उल्टी कर रहा हैं, जिसे तेज बुखार है; जो अभी यहाँ से बाहर गया है, प्रभु मैं—मैं विश्वास करता हूँ हमने विश्वास की प्रार्थना की थी कि आपने इसे रोक दिया है, और मैं—मैं—मैं बहुत ही आभारी हूं, मैं महसूस कर रहा हूँ कि वह बुखार उस लड़के से चला गया है, इससे पहले मैं इस कमरे से बाहर जाऊं।

28 अब प्रभु... हम आपको सारी बातों के लिए धन्यवाद देते हैं। अब मेरी बारी है कि मैं आपके वचन के निमित बोलूँ। हमें आपके वचन को देना, प्रभु। "आपका वचन सच्चाई है।" हमारे प्राणों को आशीष करें और हमें अनुग्रह को देना, जिसकी हमें आवश्यकता है, जिससे हम आज रात वचन में से परमेश्वर की प्रतिज्ञाओ से खींच सके, ताकि इस पुरे हफ्ते भर में हमें शक्ती दे; इसे प्रदान करें। हमारे पास्टर को आशीष देना, इस महान प्राण को, उसकी पत्नी, उसके बच्चों को, डीक्कन, ट्रस्टी और हर एक व्यक्ति को जो यहां इस इमारत के अन्दर और बाहर आता–जाता है; इसे प्रदान करे, पिता। यीशु मसीह के नाम में हम इन आशीष को मांगते हैं। आमीन।

29 अब मैं प्रभु के लिखे वचन से दो स्थानों से पढ़ना चाहता हूं। मैं पहले भजन संहिता की किताब से पढ़ना चाहता हूं, छय्यासी भजन संहिता। और फिर मैं संत मती से पढ़ना चाहूंगा, उसका सोहलवा अध्याय, एक से लेकर तीन। और मैं इस भजन सहीता के भाग को पढ़ना चाहता हूं, सारा नही, लेकिन आगे लगभग ग्यारवा पद, जो कि एक छोटा लगभग इसका आधा है।

30 और मैं इसकी घोषणा करता हूं, यदि मैं एक विषय को लेता हूं, इससे पहले मैं इस पर प्रचार करूं; *एक होने का समय और चिन्ह,* "एक होने का समय चिन्ह," यह एक प्रकार का उलझा हुआ सा दिखाई देता है। *एक होना*; समझे? *समय;* एक होने का समय, यही है जो अब हैं। और वो *चिन्ह* एक होने के समय का है।

31 भजन सहिंता में—में, एक दाऊद की प्रार्थना है, उसका 86 वा भजन सहिंता है।

हे यहोवा कान लगा कर मेरी सुन ले, क्योंकि मैं दीन और दरिद्र हूं।

मेरे प्राण की रक्षा कर, क्योंकि मैं भक्त हूं; तू मेरा परमेश्वर है, इसलिये अपने दास का, जिसका भरोसा तुझ पर है, उद्धार कर।

हे प्रभु मुझ पर अनुग्रह कर, क्योंकि मैं तुझी को लगातार पुकारता रहता हूं।

अपने दास के मन को आनन्दित कर, क्योंकि हे प्रभु, मैं अपना मन तेरी ही ओर लगाता हूं।

क्योंकि हे प्रभु, तू भला और क्षमा करने वाला है, और जितने तुझे पुकारते हैं उन सभों के लिये तू अति करूणामय है।

हे यहोवा मेरी प्रार्थना की ओर कान लगा... और मेरे गिड़गिड़ाने को ध्यान से सुन।

संकट के दिन मैं तुझ को पुकारूंगा, क्योंकि तू मुझे उतर देगा।

ओह, क्या ये सुन्दर नहीं है? "तू मुझे उतर देगा।"

हे प्रभु देवताओं में से कोई भी तेरे तुल्य नहीं, और ने किसी के काम तेरे कामों के बराबर हैं।

हे प्रभु जितनी जातियों को तू ने बनाया है, सब आकर तेरे साम्हने दणडवत करेंगी, और तेरे नाम की महिमा करेंगी।

क्योंकि तू महान और आश्चर्य कर्म करने वाला है, केवल तू ही परमेश्वर है।

अब सुनना।

हे यहोवा अपना मार्ग मुझे दिखा, तब मैं—मैं तेरे सत्य मार्ग पर चलूंगा, मुझ को एक चित्त कर (एक होना! देखा?)... *कि मैं तेरे नाम का भय मानूं।*

32 मैं अब *एक होने* के बारे में बात कर रहा हूँ; और *समय के चिन्ह*। अब संत मती के 16 वे अध्याय में।

और फरीसियों और सदूकियों ने पास आकर... उसे परखने के लिये उस से कहा, कि हमें आकाश का कोई चिन्ह दिखा।

उस ने उन को उत्तर दिया, कि सांझ को तुम कहते हो... कि खुला रहेगा क्योंकि आकाश लाल है।

और भोर को कहते हो... कि आज आन्धी आएगी क्योंकि आकाश लाल और धुमला है; तुम आकाश का लक्षण देखकर भेद बता सकते हो पर समयों के चिन्हों का भेद नहीं बता सकते?

प्रभु उसके अनुग्रह की अशिषो को उसके पढे गए वचन पर जोड़े।

33 हम इस एक होने के बारे में बात कर रहे हैं, एक होने का समय; एक होने के समय का चिन्ह। देखो, यीशु यहां पर था, इस वचन के अंत में हम पढ़ते है। वो उन याजक वर्ग को वो ताडना दे रहा था क्योंकि वे समय को या समय के चिह्न को नही परख रहे थे। अब, यह लोगों के लिए हमेशा ही बड़ी बात रही है, देखो, परख सकने में सक्षम हो, *समय के चिन्ह को जिसमें आप रह रहे हैं*; क्योंकि परमेश्वर इसे साफ–साफ लिखता है, इससे कोई भी बच नहीं सकता है।

34 अब साधारण रूप से, मैं पीछे जाता हूँ और दूसरे सेवकों से बातों को उठाता हूं, उन बाइबल के समय में, जो प्रभु के दूसरे सेवक थे (जैसे नुह के समय का चिन्ह, दानियल के समय का चिन्ह, और—और इत्यादि, और विभिन्न चिन्ह) लेकिन आज रात उन बातों को छोड़कर निकलूंगा, समय को बचाने के लिए, जिससे इसे कर सकूँ... लेकिन यह हमेशा ही परमेश्वर का तरीका रहा है ताकि उन्हें समय के एक—एक स्वाभाविक चिन्ह को दे, इसलिए की हर एक बस जान जाए ये—ये कौन सा समय था। और इन फरीसियों को उनके समय को उन्हें जानना चाहिए था। उन्हें यह जानना चाहिए था कि ये कौन सा समय था। उसने एक दूसरे स्थान पर कहा, "यदि तुम मुझे जानते तो, तुम मेरे दिन को भी जानते।" देखा?

यही—यही एक—एक बड़ी बात है जो हम समझते हैं। देखो, "बिना किसी समझ के!"

35 यही है, जो उन्होंने हमेशा ही नबियों के बारे में हवाला दिया, उन्होंने कहा, "और उसके पास प्रभु से दर्शनों के द्वारा समझ थी। और प्रभु का वचन पुराने समय के नबियों के पास आया।" देखो, उनके पास प्रभु के वचन के जरिए से समझ थी, जो नबियों के द्वारा आया था। और तब—तब नबियों ने एक चिन्ह को दिया। जैसे एक मनुष्य बहुत ही लम्बे समय से एक ही तरफ पड़ा हुआ था और उसने मुड़कर दूसरे तरफ करवट को लिया। एक मनुष्य को उसके कपड़ों को निकालना था। और वहां पर बहुत सारी बातें थी, जो उन्होंने किए जिससे कि वे ये दिखाये कि वे कौन से समय में रह रहे थे। और अब हम जानते हैं कि परमेश्वर जिसने धरती और आकाश को बनाया और—और उसने अपने काम को पूरा किया, जिससे वह समय को चिन्हों के द्वारा समय को वर्णन कर सके जिसमें वे रह रहे थे, वही परमेश्वर आज जीवित है। वैसे हमें निश्चय ही कुछ तो... जैसे हम समय को देखते है जिसमें हम रह रहे है, वहां कुछ तो निश्चय होना होगा कि कोई तो जाँच करे, कही तो। समझे? क्योंकि परमेश्वर इन चीजों को ऐसे ही कभी नहीं होने देगा, हमें बिना एक निर्धारित चिन्ह को दिए के बगैर, कि जहां, जो—जो हम समझ सकते हैं।

36 अब यहां पर वही बात है, जो याजक वर्ग, हम इसे सही तरीके से नहीं समझते हैं। ये बिल्कुल वैसे ही है, जैसे यह तब था, उन्होंने नहीं सोचा कि यह वो समय था। उन्होंने—उन्होनें सोचा कि यह उस समय बहुत ही शांतिपूर्वक जीवन को जी रहे थे और तो वे कोई मसीहा के लिए नही देख रहे थे। और यीशु ने कहा था कि उस का आगमन "रात को एक चोर नाई होगा," जब—जब लोग उसके आगमन से बेखबर होंगे। लेकिन वहां पर कुछ कुवारियां थी, जो उससे मिलने के लिए गई, उनमें से आधी, जिनके दीए में तेल था और वे तैयार थी; वे उस चिन्ह के लिए देख रही थी। और यही है आज रात जिस पर मैं बोल रहा हूं, देखो, उनके लिए जो अब उस चिन्ह के लिए देख रहे हैं, जो उसके आगमन का चिन्ह है।

37 यह चिन्ह प्रभु के द्वारा दिए गए हैं, केवल विश्वासीयों को दिए गए हैं अविश्वासी इसे कभी नहीं देखते हैं। यह ठीक उनके सर के ऊपर से चला जाता है और वे इसे नहीं देख पाते हैं। और अब ये बिल्कुल वैसे पक्का है

जैसे कि परमेश्वर का दूत आज रात इस मंच पर खड़ा हो सकता है, यह इतना ही सच है, जैसे—जैसे मैं आप की ओर देखता हूँ, और मैं इसकी ओर देख सकूँगा; या आप इसकी ओर देख सकेंगे, और मैं इसे नहीं दे सकूँगा या मैं इसे देख सकता हूं, और आप इसे नहीं देख सकते हैं। अब आप जानते हैं कि यह वचन के अनुसार है; यह बिल्कुल सच है। उन्होंने देखा... आप जानते हैं कि पौलुस नीचे गिर पड़ा, लेकिन वे... उनमें से कोई भी उस उजाले को नहीं देख पाया।

38 वो उजाला ठीक वहां पर था, जब यूहन्ना उन सारे लोगों के सामने खड़ा था, और नदी के किनारे पर हजारों लोग थे, और वे याजक वर्ग के लोग, और—और ज्ञानी, बड़े लोग। और यूहन्ना ने कहा, उसने खुद, परमेश्वर की आत्मा को पिन्डूक की नाई नीचे उतरते हुए देखने की गवाही दी और वो उसके ऊपर आया और एक आवाज कह रही है, "यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिसमें मैं रहने से प्रसन्न हूँ।" और कोई भी इसे नहीं देख पाया, सिवाय यूहन्ना के। देखा? ये केवल उसके लिए ही था।

39 क्या आपने ध्यान दिया कैसा उज्ज्वल, ज्ञानी मनुष्यो के लिए चिन्ह था? उन्होंने देखा... वे इब्रानी थे। वे असल में भारतीय ज्योतिविद्या बताने वाले नही थे, वे इब्रानी थे; क्योंकि वे वहां उस देश में ज्योतिविद्या का अध्ययन कर रहे थे, ताकि उनकी शिक्षा को पूरा करें। और जब वे... उन्होंने येरूशलेम की ओर देखा और जानते हुए कि उन्होंने उन तीन सितारों को देखा है, उनमें से हर एक उनके जन्म पथ से था, जो शेम, हाम, येपेत है जिस जाति से वे आए थे, हर एक, और उन्होंने उन सितारों को जो उनके जन्म पथ पर थे। यह उनके लिए चिन्ह था कि जब वे सितारे एक कतार में होंगे, मसीहा धरती पर था।

40 ओह, प्रभु! कोई आश्चर्य नही वे आए, "वो कहां पर है? वो कहां पर है, जो यहूदियों का राजा जन्मा है? हमने पूरब से उसके सितारे को देखा है, और हम उसकी आराधना करने को आए हैं। वो कहां पर है? " उन्होंने जान लिया कि वो शिशु मसीहा वहां पर कहीं तो पड़ा हुआ है, क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें समय के चिन्ह को दिया था, कि परमेश्वर और मनुष्य एक साथ एक हो रहे थे। क्या ही एकता है, जब परमेश्वर ने एक मनुष्य की देह में अपने आप में एक किया! वो विधि, अब तक की गयी महान एकताओ में से सबसे महान एकता है, जब परमेश्वर मनुष्य के साथ एक

हुआ था; और उसने उसकी—उसकी परमेश्वर होने की महान विकृति को छोड़ दिया और उसके तंबू को तान लिया और नम्रता को लिया और उनमें से एक हो गया, ताकि उन्हें छुडाये। एकता। यह क्या है? जिसने परमेश्वर और मनुष्य के बीच में हमेशा के लिए शांति को लाया; हमें कितना धन्यवादित होना है।

41 और वे चिन्ह नहीं भेजे गए थे... अब, जरा सोचिए, हर एक मनुष्य और वे सारे ज्योतिविद्या के लोग; उन दिनों के लोग, उनकी घड़ियां सितारे हुआ करते थे। वहां पर एक पहरुवा होता था, जो ऊपर ऊंचाई पर चला जाता था और वह वहां पर जाकर और देखता रहता था। और उसने देखा कि वो फलां सितारे एक फलां तारामंडल में था, जब वे वहां से गुजर रहे थे, उस ने जान लिया यह कौन सा समय था। आपको वचन में याद होगा, "पहरुवे, कौन सा समय है?" और वो पहरुवा वापस आकर और उन्हें बताता कि यह कौन सी घड़ी थी। देखा, वे सितारों के द्वारा समय को बताते थे।

42 अब, क्या यह अजीब बात नही है कि वे सितारे बिल्कुल एक पंक्ति में थे, उन तीन मनुष्यो के लिए और किसी ने भी इसे नहीं देखा? देखा? बिल्कुल एक पंक्ति में थे। अब, आप वचन के साथ एक कतार में हो सकते हैं। समझे? जब वे सितारे एकता में आ गए, तारामंडल में अपने आप को एक साथ एकत्र किया, उसी समय तीन व्यक्ति भी एकता में आ गए। और आप परमेश्वर के साथ उसके वचन में, इतना एकता में आ सकते हैं, जब तक यह बातें वास्तविक नहीं बन जाती है, और आप उन्हें देख सकते हैं और जान जाते हैं कि वह सच्चाई है। देखा? समय का चिन्ह! हो सकता है, आप ठीक इसके ऊपर देखकर कह सकते है, "हाँ, यह मूर्खता है!"

43 लेकिन *आपके* लिए, यह मूर्खता नहीं है। आपके लिए, आप वचन के साथ एक हो गए हैं, और यहां पर है। तब वो पूरी तरह से उजाला है, भाई पेट्, जब—जब—जब—जब आप इस चिन्ह को विश्वासीयो के साथ एक होते देखते हैं और यही है जिसके लिए मैं यह संबोधित कर रहा हूँ, जो है विश्वासी, पर अविश्वासियों के लिए वे इसे कभी नही देखते हैं। और क्या ही यह ताड़ना होती यदि वो यहां धरती पर आज होता था; उन बहुत से हमारे आज के पादरी वर्ग के लोगो के लिए, जो इस चिन्ह को नहीं पढ़ सकते हैं; वे चिन्ह जिसे हम यहाँ इस भवन में हर रोज पढ़ रहे हैं, और उन

बातों को देख रहे हैं। और वे दूसरे इसे पढ़ रहे हैं और दीवार पर हस्तलेख को देख रहे हैं, और फिर भी बहुत से इसे बस अनदेखा कर देते हैं, और यहां तक इसे देख भी नहीं पाते है। यह उनके लिए है भी नही, वह इस पर ध्यान नहीं देते हैं।

44 अब ध्यान दें, इस पर कि उसने—उसने राष्ट्रीय चिन्हों की ओर संकेत किया। अब, जब उन्होंने उससे इसके बारे में पूछा, वे चिन्ह को चाहते थे; और उसने उन्हें चिन्हों को दिया, जो घटित हुए थे। और वे जानना चाहते थे कि संसार का अंत कब होगा, संसार के अंत का चिन्ह क्या होगा। और उसने वचन के जरिए से बहुत स्थानों में से उन्हें संकेत किया, और राष्ट्रीय चिन्हों के बारे में, आकाश में के आकाश के चिन्ह के बारे में और धरती के चिन्ह; उसने उन्हें चिन्ह दिए, चिन्ह, वे चिन्ह, बस लगातार चिन्ह को दिये। और जब उसने उन्हें एक स्थान पर राष्ट्रीय चिन्ह के बारे में बताया, उसने कहा, "जब तुम राष्ट्रों को देखते हो, देखो, येरूशलेम के चारों ओर इकट्ठा होना आरंभ होते है, देखो, तब हम जानते हैं कि उनके क्लेश का समय निकट है, जब आप यरूशलम को सेना से घिरा हुए देखते है।"

45 अब इससे पहले वे इसे कर पाये, परमेश्वर... संसार को एक होना था। तीतुस, ये जो रोम का बड़ा जनरल था उसे उसकी सेना को इक्कठा करके एक करना था और वहां आना था, यह इसके बाद हुआ, यहूदियों ने परमेश्वर के दिए गए चिन्ह को ठुकराया था, जो उस समय उनके लिए था। यही वह समय है जो तीतुस ने अपनी को इक्कठा करके एक किया और आकर शहर को लेता है। पहले वहां पर परमेश्वर के लोगों (नामधारी) को एक होना था, परमेश्वर के विरोध में, इससे पहले राष्ट्र अपने आप में परमेश्वर के लोगों के विरोध में एक हो पाये। देखो, वो—वो—वो एकता, एक होना, इकट्ठा एक होना।

46 मैं विश्वास करता हूं कि हम एक बड़े एक होने के समय में रह रहे हैं। मैं इन इन लाल प्रकाश को और चमकते हुए सिग्नल को और हर एक चीज को ले रहा हूँ (स्त्रियो को, वे कैसे करती है; और वे पुरुष वे कैसे करते हैं; और वे कलीसिया कैसे करती है) इस छोटे झुण्ड को दिखाते हुए, मेरे पुरे हृदय से, कि मैं विश्वास करता हूं हम परमेश्वर के वचन की पंक्ति में एक साथ आ रहे हैं, इस महान नबी के समय में, ठीक प्रभु यीशु के आगमन के पहले; एक साथ एक हो रहे है और तैयार हो रहे हैं।

47 अब, आप देखना, तीतुस ने राष्ट्रों को एक किया... उसकी सेना को इक्कठा किया, इस्राएल अपने आप में इकट्ठा होकर एक हुआ और अपने आप को संगठित किया, कि वे यीशु के मसीह होने पर विश्वास नही करेंगे। उन्होंने उसे ठुकरा दिया, और उससे मुड गए और उसे क्रूस पर चढ़ा दिया। और फिर जब उन्होंने उद्धार को ठुकरा दिया, जो उनके लिए भेजा गया था, उन्होंने इसे करने के लिए अपने आप को इकट्ठा करके एक किया। अब, इसे दिमाग में रखना; अपने आप को इकट्ठा करके एक होते है ताकि इस घड़ी के संदेश को ठुकराए। उन्हें ऐसा करना ही था। और फिर जब उन्होंने ऐसा किया, तब राष्ट्र का चिन्ह आ गया।

48 राष्ट्र अपने आप में एक साथ इकट्ठा होकर एक होना आरंभ हो गये, और तीतुस ने तब रोम और यूनान की इस बड़ी सेना को लाया और यरूशलम की दीवारों को घेर लिया और उन लोगों को अब वहां पर बंदीगृह कर दिया और वे भूख के लिए मरे। उन्होंने पेड़ों की छाल को खाया, जोसफस, वो बड़ा इतिहासकार हमें बताता है। और उन्होंने जमीन की घास को खाया। उन्होंने यहां तक एक दूसरे के बच्चों को उबालकर और इसे खाया; देखो, जैसे वे पागल लोग हो गए थे। और फिर जब, अतः तीतुस वहां पीछे पहाड़ी पर बैठा हुआ था, वहां यरूशलम के पास, और—और वहां पर उन लोगों ने अपने मन में सोचा कि वे परमेश्वर की इच्छा को कर रहे है, जब उन्होंने इस सेना को आगे बढ़ते हुए देखा। उन्होंने उस महान गुरु, प्रभु यीशु, जिसने उन्हें बताया, उसे सुनने से इंकार कर दिया।

49 वहां पर उनमें से एक भी मसीही नही मिला, क्योंकि उन्होंने चिन्ह और बातों को देखा और आगे बढे। समझे? उन्होंने कहा, "वे जो छत पर हो नीचे न उतरे या वह जो खेत पर हो वापस न लौटे, अपना अंगरखा लेने ना आये; लेकिन यहूदिया की ओर भाग जाए, और प्रार्थना करना कि तुम्हारा दिन सर्दी का या सब्त का दिन ना हो।" क्योंकि सर्दी के समय, वो—वो पहाड़ियां बर्फ से ढकी हुई होगी; और सब्त के दिन, द्वार—वे द्वार बंद होते हैं, वो फाटक और वे उस अवस्था में पकडे जायेंगे। देखा? हम इस पर बहुत ही जल्द लेना चाहते है... परमेश्वर कैसे उन चीजों को करता है, यदि प्रभु कि इच्छा है तो।

50 अब, ध्यान दें उसने... उन्होंने प्रार्थना की यह ऐसा हो जाए... इस तरह से ना हो, यीशु ने उन्हें इस पर प्रार्थना सिखाया, और उन्होंने, उनमें से

वहां पर एक जन को भी नहीं पाया। वे चले गए थे क्योंकि उन्होंने चिन्ह की ओर देखा, और वह चले गए थे; इसके विषय में यही सब था।

51 ओह, कलीसिया को आज इस समय के चिन्हों को कैसे देखना चाहिए जिसमे हम रह रहे हैं! जितना तुम कलवरी की ओर तेजी से दौड़ सकते हो, दौड़ो, उस जीवन के लिए; किसी कलीसिया के लिए नहीं, लेकिन यीशु मसीह के लिए। अपने आप को उसके साथ एक करो, और किसी संस्था या किसी कलीसिया संप्रदाय के साथ नही। मसीहा के साथ एक और निश्चय करो कि यह वही है। आप बस कुछ भी ऐसे ही नहीं ले सकते हैं, आपको सकारात्मक होना होगा कि ये वही है, क्या ही ये एक होने का समय है!

52 अब, हम देखते हैं कि उन्होंने मसीहा को ठुकराया था और फिर अपने आप में इकट्ठा होकर एक हो गए और अपने आप को संघटन बना दिया, और एक... एक प्रस्ताव को किया कि यदि कोई भी व्यक्ति यीशु को एक नबी करके स्वीकार करता है, उसे कलीसिया से निकाल दिया जायेगा। आपको याद है, वो अँधा लड़का जो बिना दृष्टी के साथ बैठा हुआ था? और चेलों ने कहा, "किसने पाप किया? उसने या उसके पिता ने या उसकी माता ने? "

53 और यीशु ने कहा, "इस मामले में; किसी ने नही; लेकिन जिससे कि परमेश्वर के कार्य प्रकट किये जाये।"

54 और याद रखना उन्होंने कहा कि माता और पिता कुछ नहीं कह सकते है। उन्होंने कहा, "वे जानते हैं यह हमारा पुत्र है, लेकिन हम नहीं जानते वो कैसे चंगा हुआ था।" क्योंकि यहूदियों ने कहा था कि कोई भी व्यक्ति उसे नबी होने के लिए मान लेता है, इस बात के लिये उन्हें निकाल दिया जायेगा।

55 लेकिन आप देखना परमेश्वर का कार्य यह था कि इस लड़के ने उस झुंड से ताल्लुक नही रखा। उसने कहा, "अब, यह मेरे लिए एक अजीब सी बात है कि आप नहीं जानते वो मनुष्य कहां से आया है, और फिर भी वो मुझे आंखों की दृष्टि देता है।" देखा? अब, वो ऐसे कह सकता है। देखो, यह परमेश्वर के कार्य था। उसे चंगाई दी गयी थी और उसे ठीक किया था, और वह इसे—वो इसे कह सकता है, क्योंकि उसके पास कही से भी कोई तार नही थी, उसे बांधे हो। वही वो एक था, जिस पर कार्य किया गया था, और निश्चय ही उसने देखा... उसके जीवन में पहली बार देखा।

56 अब, यहूदियों ने अपने आप को यीशु के विरुद्ध एक किया, और—और उसके मसीहत के विरोध में, और उसके मसीहत के संदेश के विरोध में किया। हम अब बिल्कुल उन्हीं बातों को होते हुए देख रहे हैं। साम्यवाद एक हो रहे हैं ताकि कलीसिया को नाश करें और केवल एक ही जरिये से ये... यह उसके बाद होता है, जब कलीसिया भी खुद को कलीसिया संगठना में एक कर लेती है, जो विश्व कलीसिया संगठना है ताकि इंकार करें और संदेश को, वचन को नष्ट करे! वे वचन से मुड़ गए है, जो कलीसिया के पास है! वे इसे स्वीकार नहीं कर सकते है, क्योंकि यह उनके संस्थापक नियम के विरुद्ध है; कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितने ही अग्नि के खंबे हमारे बीच में मंडराते हो... लोगो के बीच में या कितने लोग... कितनी बातें पहले से बताई गई होगी और वे हुई हो और वे बड़े चिन्ह जो उसने अंतिम दिनों के लिए प्रतिज्ञा की थी; वे इसे नही कर सकते हैं।

57 इसलिए वे अब अपने आप को एक कर रहे हैं, और यहाँ आप का पास्टर और बहुत से आपको बता सकते है, यही अर्थ है, कि उनका... उन संसार के—के—के गिरजाघर के सदस्यों का सम्मेलन है। इस के ऊपर एक लूथरन सेवक है। जो, यदि वहां एक आपदा आती है, यहां ये आस–पास में ही घटित होता है, यदि हम गिरजाघर के सदस्यों के सम्मेलन के साथ एक नहीं होते हैं तो, तब हमारी कलीसिया, कलीसिया नहीं रहेगी और वे एक सामान रखने के स्थान के नाई इस्तेमाल कर सकते हैं। या यदि हम भाइयों में से कोई एक देखता है कि कोई तो मर रहा है या तकलीफ में है, और उसके लिए सेवकाई करने की कोशिश करते है ताकि उसे कोई आत्मिक आशीष मिले, हम इसके लिए मार डाले जा सकते है; यह बिल्कुल सही है। हमें दस वर्ष की संघीय कारावास हो सकती हैं, किसी भी तरह की सेवकाई करने के लिए, क्योंकि हम गिरजाघर के सदस्यों के सम्मेलन के सदस्य नही है। क्या आप पशु की छाप को नहीं देखते हैं? समझे? देखा?

58 अब, हम एक होने के समय को आते हुए देखते हैं। देखा? अब, देखना! और फिर वो कलीसिया अपने आप में संदेश के विरोध एक हुई है; और फिर जब यह होता है, वे राष्ट्र अपने आप में साम्यवाद में एक हो रहे हैं; ताकि कलीसिया को फिर से नष्ट करे; बिल्कुल वैसे ही जैसे इसने पहले स्थान में किया था। देखा? यह फिर से वापस अपने आप को दोहराता है।

59 इस्राएल को पहले संदेश से मुड़ना था। और जब वे संदेश से मुड गए, तब वो सेना, वो राष्ट्र का जीवन अपने आप में इकट्ठा होकर एक हो गये (दूसरे राष्ट्रों से) और अंदर आकर और कलीसिया को नष्ट कर दिया। और आज उन्होंने प्रभु यीशु के संदेश को घुमा दिया हैं, और उन्होंने इसे घुमा दिया है। और, अब समय आया है, जहां पर साम्यवाद संसार को कलीसिया के विरोध में इक्कठा करके एक कर रहा है। देखो, इसे इसी तरह से होना है। अब, यह कहना बहुत ही कठिन है।

60 यह उन यहूदियों के लिए विश्वास करना कठिन था, उन्होंने कहा, "अब आओ भाइयों, हम देखते है कि—कि हमारा—हमारा परमेश्वर हमारे साथ है और इसलिए हम—हम मंदिर के अंदर जायेंगे। और अब हम प्रार्थना करेंगे और पवित्र पादरी, *फलां–और–फलां* और पवित्र पादरी *फलां–और–फलां* हमारी प्रार्थना में अगुवाई करेंगे। फाटक को बंद करो!" और तीतुस ने अपने स्थान को लिया और ठीक वहीं पर लगभग एक वर्ष या उससे अधिक वर्षों के लिए खड़ा रहा। देखो, वो चौकसी पर था और वे पूरी तरह से भूखे थे। यहाँ तक उनमें से एक जन भी शहर से बाहर निकल पाया; और वे भूखे होकर मर गए। और जब वो वहां पर गया और उन दीवारों को नीचे गिराया और लहू की धारा बाहर आने लगी और जैसे नदियां बहती हो, वहीं पर जहाँ उसने हत्या कर दी हर एक की जो वहां पर था।

61 अब प्रभु के दूत ने पहले पुराने नियम में इसकी भविष्यवाणी की थी, और बताया कि यह घटित होगा। और वे सेवक जो पादरी वर्ग के थे, जिन्हें उस पर कार्य करना चाहिए था और लोगों को यह बताना चाहिए था, बजाये इसके, जब यीशु उनके बीच में खड़ा हुआ, उन्होंने उसे पहचाना भी नही; और एक—एक प्रकार से एक—एक उपहास उड़ाने की कोशिश कर रहे थे, "हम पर एक तरकीब चला कर, आओ हम देखें कैसे—कैसे इसे किया गया! हमें चिन्ह को दिखाओ।"

और उसने कहा, "मैं... " क्योंकि, उसने बहुत सारी चीजों को किया था, और फिर भी वे इसे देख नहीं पाये। देखा? और फिर जब उन्होंने उसे इंकार किया... उनके अपने समय दिन के संदेश को, उन्होंने उस दिन के संदेश को ठुकराया था।

62 वे उस दिन के चिन्ह को देखने से चूक गए। और बाइबल की भविष्यवाणी का चिन्ह, जो उनके सामने पूरा हुई थी, और उन्होंने कहा,

"अब आओ अन्दर जाये!" वे पवित्र मनुष्य थे। वे ऐसे मनुष्य थे, कि आप उनके जीवन पर उंगली तक नही रख सकते हैं। वह *ऐसे* नही हो सकते थे, और फिर—और फिर एक—एक—एक याजक होगे। एक याजक मारा जाएगा, उसे किसी भी छोटी बात के लिए पत्थरवाह करके मार डालेंगे। इसलिए उसे एक साफ़, पवित्र जीवन को जीना था। वे इसे नहीं कर सकते है क्योंकि उसे बस किसी भी चीज के लिए पत्थर वाह किया जाता था। और अब वे बड़े मनुष्य थे, और लोगों की नजर में पवित्र मनुष्य थे और फिर भी उन्होंने अंदर जाकर और कहा, "अब हमारे... हमारे पास परमेश्वर है, परमेश्वर जो इन सारे युगों में से होते हमारे साथ रहा है। हम उसके पवित्र मंदिर में जायेगे।" वो परमेश्वर का पवित्र मंदिर था! लेकिन, आप देखना, वो अपने पवित्र मंदिर में से मुड़ गया था। देखा? "हम परमेश्वर के भवन के अंदर जायेंगे। अब तुम सारे इब्रानी जानते हो कि हम यहाँ एक चुनी हुई जाति है, वो हम हैं। और वो परमेश्वर हमारा परमेश्वर है; वो अब्राहम, इसहाक, याकूब का परमेश्वर। वो हमारे साथ है। वो खतनारहीत पलिश्तिनियो से हमें वहां पर छुड़ाएगा (जैसे कि ये थे) वे रोमी और यूनानी। वो हमें उनसे छुड़ायेगा। आओ हम प्रभु के भवन के अंदर जाये!"

63 यह अच्छा दिखाई पड़ता है; लेकिन उन्होंने क्या किया था? वो भवन का बनाने वाला वहां पर था, एक गलीली जो नीचले स्तर के सुतार के रूप में, और वे उससे मुड गए थे; जब परमेश्वर ने उसे उस घड़ी के संदेश वाहक होने के लिए और वो डाली करके प्रमाणित किया। और वे इससे मुड़ गए। इसलिए सारी प्रार्थनाएं, सारी ईमानदारी और उनका बलिदान परमेश्वर के लिए कुछ भी मायने नही रखता है। जो उन्होंने इसे किया था! और परमेश्वर ने इस बड़ी सेना को एक किया ताकि इसे नष्ट करें।

64 और हम आज देखते हैं, जैसे कलीसिया संस्थाओ और इत्यादि में से होती हुई, परमेश्वर के वचन से मुड़ते जा रहे हैं। वे नही चाहते कि आप उन्हें इन चीजों के बारे में बताये, और विज्ञान इसे तस्वीरो और हर एक चीज के द्वारा साबित कर सकता है, और फिर भी वे इसके साथ कुछ लेना देना नहीं रखना चाहते। इसलिए साम्यवाद रूप ले रहा है ताकि इसे नष्ट करें, बिल्कुल वैसे ही जैसे तीतुस ने किया और बाइबल ने कहा, वे वैसा करेंगे। बिल्कुल वैसे ही!

65 अब आप देखते है, हम कहां पर रह रहे हैं? उस एक होने के समय।

जब हम इन चीजों को एक होते हुए देखते है, ओह, क्योंकि हम उन चीजों को देखने से चूक गए हैं! आप—आप इन वचनों में यहां देख सकते हैं और देख सकते हैं, कि कहां उसने यह प्रतिज्ञा की है, वो क्या करेगा। अब, हम इसे पूरा होते हुए देख रहे हैं। हम कलीसिया में देखते है; उसने जो करने की प्रतिज्ञा की है; हम इसे पूरा होते हुए देख रहे हैं। हम राष्ट्र को एकसाथ एकत्र होते देख रहे हैं। धर्म शिक्षको को एक साथ एकत्र होते देख रहे हैं। हम कलीसिया को एक साथ एकत्र होते देख रहे हैं। ये एक होने का समय है। ये एक होने की घडी है। यही वो युग का आत्मा है, "हमें एक होना होगा।" हर एक चीज जिस पर तुम बात करते हो, उसे संस्थागत होना होगा; यहां तक सरकार भी इसे स्वीकार नही करेगी।

66 आप जानते हैं एक नागरिक होने के नाते... मैं एक नागरिक के रूप में, एक सयुंक्त राष्ट्र के एक नागरिक के रूप में नहीं कर सकता हूँ, फिर भी मुझे—मुझे... आप मुझे पांच डॉलर का चेक देते हैं, और मुझे इस पर अपना नाम डालने की हिम्मत नहीं होगी। समझे? देखो, मैं इसे नही कर सकता हूं। देखो, यह एक होने का समय है। इस सबको किसी संगठन या किसी वर्ग से होकर जाना है, और वो संगठन वही चीज है जो पशु की छाप को लाती है। देखा? यह एक होने का समय है, और यह ठीक उसके अंदर कार्य कर रहा है। आप इसे केवल खुली आंखों से देख सकते हैं, यदि आप उसकी ओर देखते हैं तो। यह एक होने का समय है, जहां हर एक चीज एक साथ एक हो रही है।

67 यहूदी, उन यहूदीयो ने अपने आप को एक किया, उनका—उनका मसीहा मानने के लिए यीशु का विरोध किया। इसलिए हम देखते हैं, क्या घटित हुआ था। हम अब उन्हीं बातों को देखते हैं, साम्यवाद एक हो रहे हैं ताकि कलीसिया को नष्ट करें, कलीसिया विश्व कलीसिया संगठन के अंदर एक होने के बाद और संदेश को, परमेश्वर के वचन को नष्ट करने की कोशिश करेंगे। वे इससे छुटकारा पाने की कोशिश करते हैं। केवल एक ही चीज वे कर सकते हैं कि वह अपने आप को एक विश्व संगठन में लेकर जाये, इसलिये कि वे अलग–अलग हो गए हैं; यहां पर ये एक छोटे झुंड है, मेथोडिस्ट और बैप्टिस्ट, लूथरन और प्रेस्बिटेरियन, चर्च ऑफ़ क्राइस्ट, और इसी तरह से इत्यादि। वे कुछ भी नही कर सकते हैं, क्योंकि *यह* एक *उसके* विरोध में होगा, *यह* एक, *दूसरे* के विरोध में होगा, उनकी शिक्षा इतनी अलग–अलग होती है, जैसे पूरब से पश्चिम होता है। देखो, वह इसे

नहीं कर सकते हैं। लेकिन वे एक बार उस एक बड़े प्रधान के नीचे इकट्ठा हो जाये, तब वे इसे करते हैं। तब उनके पास होता है।

68 इसी तरह से वे कैथोलिक इतनी एकता में है, वो रोमन कैथोलिक, अवश्य ही वो इतना एक एकता में है, वे... बहुसंख्या रोमन कैथोलिक की है; यूनानी और दूसरे कैथोलिक इतनी एकता में नहीं है, जितने रोमन कैथोलिक है। अब वे इकट्ठा होकर एक हो रहे हैं, और यही वो कारण है कि वे एक साथ खड़े होते हैं। कोई फर्क नहीं पड़ता क्या बात जगह लेती है, वो पोप हर एक बात का सर (मुखिया) है। समझे? और कोई फर्क नहीं पड़ता कोई भी कुछ भी कहने दो, "वह गलती करने वाला नहीं है; वो—वो—वो परमेश्वर का एक प्रतिनिधि है, ऐसा ही है; परमेश्वर के बाद वो है; उसका नरक, स्वर्ग, यातना के स्थान के ऊपर अधिकार है। समझे? इसलिए वहां एक भी बात जिसे *इस* मामले में नहीं किया जा सकता है; जो कुछ भी वो कहता है, वही होना है।

69 अब वे प्रोटेसटेंट बिल्कुल उसी तरह से अपने आप को मुख्य बना रहे हैं, वैसे ही। और क्या बाइबल नही कहता वहां पर एक मूरत है जो पशु के निमित बनाई गई है? वह एक मूर्त क्या है? यहीं इसी तरह से है, इसके जैसे बनी हुई है। यहां है वो, वही चीज। यह क्या है? एक साथ अपने आप को एक करने के द्वारा, और यह इस युग का आत्मा है, वो है *एक होना*।

70 अब एक होकर इकट्ठा होना, संदेश को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। वे इसे कैसे नष्ट करेंगे? कैसे वे परमेश्वर के वचन को नष्ट करेंगे? वे इसे बेअसर बना सकते हैं, बेअसरदार, रीति रिवाजों को लेने द्वारा जैसे उन्होंने वहां आदि में पहले किया था, और परमेश्वर के वचन को बेअसर कर रहे हैं। देखो, वे कहते हैं, "ओह, यह तो... सचमुच में, कुछ भी होने दो... " आप देखते हैं, किस तरह से वो नास्तिक स्त्री है, जो कोशिश कर रही है... स्त्री... मैं अब उसका नाम भूल गया; यदि मैं उसे बस बुला सकता। स्त्री... मैं बहुत सी स्त्री को सोचने की कोशिश कर रहा हूं।

71 मैं इस कुमारी राष्ट्र के बारे में एक दिन सोच रहा था; मैं सोचता हूं, हमारे पास इसी तरह से एक और थी जो उठ खड़ी हुई है। वह वो एक थी जो मदिरा कक्ष में जाकर और व्हिस्की को बाहर निकालकर और इस तरह से चिन्हों और हर एक चीजों से फेंक दिया। क्यों आज तुम कुछ महिलायें

इस तरह से नहीं खड़ी होती, और यहाँ जाकर और इन महिलाओ की नंगी तस्वीरों को नहीं फाड़ती हो, जो उनके खुद की जाति की है, और इस तरह की बातों को नहीं करती? जो, उनके पास और अब है ही नही।

72 अब, लेकिन ये स्त्री, एक नास्तिक है, जिसने कहा, कि—कि, "बाइबिल को साधारण स्कूल में इसे पढ़ना विधि के विरुद्ध है," और इसी तरह की इत्यादि बातें।

73 अब, उन्होंने भी फिर से, क्या आपने ध्यान दिया है, वे अब कहने की कोशिश कर रहे हैं, और जो वचनों के बड़े अध्यन करने वाले हैं, उन्होंने कहा, कि "बहुत सी भविष्यवाणी जो बाइबल में की गई है, वह पूरी तरह से गलत है, और वो कभी भी पूरी नहीं हुई।" और आपने यह सुना होगा और इसे पढ़ा होगा। और वे सब कुछ कहने की कोशिश कर रहे हैं; आप देखना वे कोशिश कर रहे हैं कि वचन के प्रभाव को नष्ट कर दें। यदि वे केवल नष्ट कर सकते है, और इसकी जगह पर एक संस्था को रखते है, या ऐसे ही कुछ जो मनुष्य के पास है, जो उनकी आंखों के लिए वचन से भी बहुत अच्छा दिखाई देता है, तब वे इसे उनके—उनके रीति रिवाजों से नष्ट कर देंगे। और ऐसे ही वे संप्रदाय की राजनीतियों के द्वारा परमेश्वर के वचन को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं।

74 अब हर एक कलीसिया की उनकी खुद की राजनीतिक है। चर्च ऑफ़ क्राइस्ट की उनकी अपनी है, क्रिश्चन चर्च की उनकी अपनी है, और बैप्टिस्ट और मेथोडिस्ट और प्रेस्बिटेरियन; उनके पास उनकी विभिन्न राजनीतियां है। अब, वे इससे पीछे हट रहे हैं क्योंकि वे अलग हो चुके हैं। देखो, ऐसा पहले नहीं हो सका है, उन्हें इसे अभी करना है। देखो यह एक होने का समय है, और अब वे उसे एक साथ इसे कर रहे हैं और इसे एकत्रीकरण कर रहे है और देखो वे किस बात के साथ बाहर आये है। ओह, यह एक घोड़े के मांस से पकी हुई रोटी के जैसा दिखता है, और डब्बे के बाहर कचरा जैसा और जो कुछ भी उनके पास था एक साथ किया है; और इसे एक साथ ठूसा है, और कुछ सड़े हुए आलू को डाला है और चीजों को इकट्ठा करके और देखें इसके साथ बाहर क्या आता है। मैं निश्चय ही इसमें से कुछ नहीं चाहता हूं। नहीं, श्रीमान! वे इसी तरह से कर रहे हैं। देखो, वे उन लोगों को ले रहे हैं, जो विश्वास करते हैं कि यीशु काल्पनिक व्यक्ति था,

एक कलीसिया जो विश्वास करती है कि यीशु काल्पनिक व्यक्ति था; एक दूसरा जो विश्वास करता है वो एक नबी था।

75 एक कहता है, "अद्भुत कार्यो के दिन बीत गए हैं।"

76 दूसरा कहता है, "हो सकता है कि ऐसी कोई चीज हो।"

77 और ये सब एक साथ हैं; और बाइबल ने कहा, "कैसे दो एक साथ चल सकते हो जब तक तुम आपस में सहमत न हो? " देखा? अब, इसी तरह प्रकार की एकता उनके पास है। और उनके पास इस सबके ऊपर एक बड़ा पवित्र पादरी होना होता है, और वहां पर आप एक पशु की एक मूरत को पाते है, बिल्कुल वैसे ही जैसे बाइबिल कहती है। अब उनके पास एक लूथरन सेवक है, जो इसका प्रधान है। तो, हम देखते हैं कि यह एकत्र होने का समय है। अब वही बात, साम्यवाद और वे सारे इकट्ठे होकर एकत्र हो रहे हैं; इस संसार में और कलीसिया, और इत्यादि, एकसाथ एक हो रहे है।

78 प्रकृति को देखें। ओह, प्रभु, आप केवल प्रकृति को ध्यान देंगे, यह उसी बात तो करती है। प्रकृति परमेश्वर के चिन्हों का केलन्डर है। क्या आपने यह जाना? यीशु ने उन्हें प्रकृति को देखने के लिए बताया। समुंद्र दहाडे मारेगा और वहां पर विभिन्न बातें होती है, और उन विभिन्न स्थानों पर भूकंप होते है, राष्ट्रीय विवाद, आकाश में चिन्ह, धरती पर चिन्ह, हर कहीं उस समय के आगमन के चिन्ह होंगे।

79 बादलों को देखो, इससे पहले बादल एक बिजली को लेकर आये, आप जानते हैं यह कैसे होता है? बहुत से छोटे बादल एक साथ इकट्ठा होकर और एक बड़े बादल को बनाते हैं। तो, इस एक को छोटा सा झुंड मिल जाता है, हवा इसे उड़ाने लगती है और यह दूसरा छोटा सा झुंड मिल जाता है हवा इसे उड़ाने लगती है और वे सब एक साथ उड़ने लगते हैं, और फिर उनके पास एक बड़ा तूफान होता है। देखा? उनके पास एक प्रचंड तूफान हो सकता है, इससे पहले एक होना है; उन्हें होना है।

80 देखो बदखे और हंस अपने आप में इकट्ठा होकर एक होते है, इससे पहले कि वे अपने देश को छोड़ें। देखा? वह एक साथ इकट्ठा होते हैं। आप उन्हें एक तालाब से दूसरे तालाब में उड़ते हुए देख सकते हैं, यहां से लेकर वहां, वे सब इकट्ठा होते जाते हैं। वे एक हो रहे हैं, वे उड़ने के लिए तैयार हो रहे हैं। देखो, यह तो बस... यही प्रकृति है, और परमेश्वर ने प्रकृति की

रचना की है, और प्रकृति परमेश्वर की योजना के जरिये से कार्य करती है। यही एक नियम है, एक परमेश्वर का अलिखित नियम, यह प्रकृति उसके नियम के अनुसार कार्य करती है।

81 बिल्कुल वैसे ही, मैं अंतिम संस्कार की सभा पर बोल रहा था, *जीवन का रस* जो कब्र के अंदर चला जाता है, पेड़ के जड़ो के गहराई में जाता है ताकि वहां पड़ा रहें, जब तक बसन्त ऋतु में पुनरुथान नही होता है। यही एक परमेश्वर का नियम है। वहां पर कोई भी बुद्धिमता उस जीवन के रस को नीचे डालने के लिए नही बना सकती है। आप इसे बाहर नहीं खींच सकते हैं, आप इसके रस को बाहर नही ला सकते हैं। इससे अच्छा करने का कोई तरीका नहीं है, जो परमेश्वर करता है। परमेश्वर के पास सिद्ध तरीका है। इसलिए जब पत्तियां नीचे गिरने लगती है, तब वो कब्र के अंदर जीवन के रस को भेजता है और इसे छिपा लेता है। जैसे अय्यूब ने कहा, "मुझे कब्र में छुपाये रख जब तक तेरा क्रोध खत्म न हो जाए।" देखा? इससे पहले बर्फ से ढके, यह नीचे चला जाता है क्योंकि यह प्रकृति का नियम है। उन पत्तो को देखो अब से गिरना आरंभ हो गये हैं। क्यों? यही एक प्रकृति का नियम है।

82 बदखे एक साथ आयेगी, उनमें से हर एक जन और अपने मार्गदर्शक के पीछे–पीछे चलती है। वे किसी प्रकार से यह जान जायेगी, मैं नहीं जानता कि वे इसे कैसे करती है, लेकिन वह जानती है कि वो विशेष छोटी बतख एक मार्गदर्शक है। और वह छोटी बदख, वे सब इकट्ठा होती है और उसके ठीक पीछे–पीछे चलती है, और ठीक हवा में उड़ने लगती है। और वो... उस तलाब पर नीचे कभी नहीं आयेगी, लेकिन वो ठीक सीधे लुसिआना की ओर या टेक्सास की ओर बढ़ने लगती है, जैसे वह जा सकती है, खेतों में दानो को चुगने के लिए। देखो, इससे पहले कि वे उड़े, उनके घर को छोड़ने के लिए, जहां उन्होंने उस वर्ष जन्म लिया था, वह एकत्र होती है। आमीन! आप वहां पर हैं; उनके मार्गदर्शक के पीछे–पीछे चलती है।

83 मनुष्य के साथ तकलीफ यह है कि वो नहीं जानता उसका मार्गदर्शक करने वाला कौन है। जी हां, श्रीमान। वह संस्था के पीछे–पीछे चलेंगे। वे बिशप या एक मनुष्य के पीछे–पीछे चलेंगे, लेकिन वे मार्गदर्शक के पीछे नहीं चलते है, पवित्र आत्मा वचन में है। समझे? वे कहते है, "ओह, तो ठीक है, मुझे एक छोटा कट्टरपंथी मिल जायेगा; मैं डरता हूं कि मैं थोड़ा सा

गलत कदम पर चला जाऊंगा।" ओहह्ह, और वहां पर आप हैं! क्या हो यदि वो छोटी बदख कहे, "मैं उस तरह से पसंद नही करती, जिस तरह से वो अपने पंखो को रखा है, मैं नही सोचता कि मैं उसके पीछे चलूंगा।" आपकी मृत्यु के लिए जम जायेंगे। आप वही पर जकड़े जायेंगे, यदि आप उसके साथ उडान नही भरते है, जैसे वह जाता है। यह खुद को इकठ्ठा करके एक करते है, और प्रकृति इसे करती है।

84 हंस अपने आप में इकठ्ठा होकर एक होते हैं, अपने आप में अपने मार्गदर्शक करने वाले के पीछे चलते हैं, वे भी वैसे ही करते हैं।

85 क्या आपने मधुमक्खियों के अंडे देने पर ध्यान दिया है? मधुमक्खियां एक साथ अपने आप को इकठ्ठा करेंगी, इससे पहले वे अंडा दे, ठीक उनके रानी के इर्द–गिर्द। यह सही है। और जहाँ वो रानी जाती है, वे भी उसके पीछे दूर जाती है। हाँ! वे क्या करती है? वे अंडा देने से पहले एक होती है। बिल्कुल; हर एक प्रकृति!

86 मछली अपने आप को इकठ्ठा करके एक करती है इससे पहले ग्रीष्म ऋतू आ जाये। वहां बाहर समुन्द्र में, आप उन्हें देख सकते है; वे बड़ी... जो हम सामन (एक प्रकार की मछली) का "झोपड़ा" कहते है। जब वे वहां ऊपर आती है, इससे पहले वहां बहाव अन्दर आये, आप उन्हें वहां समुन्द्र के ऊपर दस हज़ार की संख्या में देखेंगे, वे गोल–गोल घुमती, गोल–गोल घुमती है; जो नमक का पानी है, लेकिन असल में वो मछली का स्वच्छ जल है। और वे ठीक ऊपर उस स्वच्छ जल पर आती है, ताकि वो अंडे देने की ऋतु के लिए जाये, वे वहां जाकर अंडे देती है, लगभग हर चार वर्ष में, और वे जैसे ही अंडे देती है, मर जाती है। और वे जानती है वे वहां मरने के लिए जा रही है, और आप उन्हें किसी भी तरह नहीं रोक सकते है, वे मछली की कतार में छलांग लगाती है और जो कुछ भी है, वहां पर जाती है, जानते हुए वे उनकी मृत्यु के लिए जा रही है। लेकिन प्रकृती का नियम उन्हें ऐसा करने को लगाता है, जानते हुए वे वहां पर जा रही है और उस खड्डे में अंडे को देंगी, और मर जायेगी। और वे छोटी मछलियाँ आकर उन्हें तब इकठ्ठा करके एक करती है, और बाहर समुन्द्र के अन्दर चली जाती है। यही एक होना है! यही एक नियम है। आप परमेश्वर के नियम को पराजित नही कर सकते है।

87 राष्ट्र टूट रहे है, क्योंकि अब वो समय है कि हम देखते हैं कि—कि उन्हें ऐसा करना है। हम राष्ट्रीय उथल–पुथल की प्रक्रिया में है। हम देखते हैं राष्ट्रीय संबंध टूट रहे हैं। साल दर साल, हम *यह* देखते है, राष्ट्र साम्यवाद में विलीन होता जा रहा है; *इसको* साम्यवाद से निगला जा चुका है। और ठीक यहां हमारे राष्ट्र में, यही मधुमक्खी का छत्ता एक साम्यवाद के साथ है और इसने इस पर अधिकार कर लेगा! देखो, ये ऐसे ही करेगा, इसे रोकने का कोई तरीका नहीं है। क्यों? बिल्कुल वही कारण है, जैसा कि आप तीतुस को नहीं रोक सके। लोगो ने परमेश्वर और उसके वचन को ठुकरा दिया हैं। जी हां, श्रीमान, इसलिए वे इसे करने ही जा रहे हैं, और हम ठीक इसे होता हुआ देखते हैं।

88 मैं, ज्यादातर कुछ घंटो का समय लेता हूं; मैं ठीक अभी लगभग तीस मिनट का समय ले चुका हूं। समझे? लेकिन इन सब बातों को बताने के लिए, मैं बस चलता जा रहा हूं। जब आप घर जाये, तो आप इसका अध्ययन करना।

89 ध्यान देना, ठीक अभी वे एक हो रहे हैं। आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, क्या यह सही है?" वे विश्वयुद्ध की लड़ाई की ओर बढ़ रहे हैं; बिल्कुल ठीक यही है, जो वे करने जा रहे हैं। समझे? और वे ठीक इस समय पर उसी के लिए एक हो रहे हैं। यही वो कारण है कि हमारे पास यू.एन और वो सब कुछ हमारे पास है। वो पश्चिमी संसार, पूर्वी संसार के विरुद्ध एक हो रहा है, साम्यवाद और इत्यादि, यह सब इकट्ठा होकर एक हो रहे हैं। कलीसियाये एक साथ इकट्ठी हो रही है। हर एक एकत्र होता दिखाई दे रहा हैं। एकत्र हो रहे है, वे अपने आप को इकट्ठा करके एक हो रहे हैं, हम इसे देखते है।

90 ऐसा है, जब ये सारे राष्ट्र एक हो रहे हैं, ये चिन्ह, राष्ट्र के चिन्ह, हम संसार में इनको देखते हैं, विभिन्न स्थानों पर भूकंप हो रहे हैं, विभिन्न चीजे एक हो रही हैं; संसार को वे इकट्ठा लेकर आ रहे हैं, लोगों को इकट्ठा कर रहे हैं, सारी कलीसियाये इकट्ठा हो रही है, यह सब चीजों को आपस में एक हो रही हैं। और जब कि यह सब एक होते जा रहे हैं, वहां पर एक और एक होना जारी है। आमीन! यही है वो जिस पर मैं आप सबका ध्यान दिलाना चाहता हूं।

91 परमेश्वर अपनी दुल्हन को एक कर रहा है। वह पूरब और पश्चिम से और उत्तर और दक्षिण से इक्कट्ठा आ रही है। वहां पर एक मिलने का समय है, और जो ठीक इस समय पर है। वो किस बात के लिए एक हो रही हैं? रेपचर के लिए। आमीन! परमेश्वर उसे तैयार कर रहा है। जी हां, श्रीमान, वो एक हो रही है! वो किससे साथ एक हो रही हैं? वचन के साथ! "क्योंकि आकाश और धरती सब टल जायेंगे, लेकिन मेरा वचन कभी नहीं टलेगा।" वह खुद को यहोवा यो कहता है के साथ एक कर रही है, ये परवाह न करते हुए कि कोई संस्था या कलीसिया या अन्य कोई भी क्या कहता है। वो खुद को एक कर रही है। वो तैयार हो रही है। क्यों? क्योंकि वो एक दुल्हन है। यह सही है। और वो अपने आप को दुल्हे के साथ एक कर रही है, देखो, और दूल्हा वचन है। "आदि में वचन था, वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था और वचन देहधारी हुआ, और हमारे बीच में डेरा किया।"

92 और कलीसिया और दुल्हन और वो वचन इतने एक होते जा रहे हैं, इतना तक कि वही वचन अपने आप में कार्य कर रहा है जो दुल्हे का काम होता है। आमीन। क्या इसे देखते है? यह एक होना है! अब और नही "कलीसिया से शामिल हो जाओ"; *यह* अब और अधिक कलीसिया में शामिल होना नहीं है यह और अधिक ऐसा नहीं होगा, लेकिन इसे इन सारी चीजों से दूर भागना है और यीशु मसीह के साथ जुड़ना है। समझे? यह एक होने का समय है। परमेश्वर उसकी दुल्हन को इक्कट्ठा करके एक कर रहा है, इसे वापस ला रहा है; बिल्कुल ठीक। उसके प्रतिज्ञा के वचनों को एक कर रहा है।

93 दूसरा थिस्लुनुकियो, दूसरा अध्याय; ये कहता है, यह पांचवा अध्याय है जो कहता है, "कि पवित्र लोग जो भूमि की धुली में सोए हुए हैं, जाग उठेंगे। और फिर वह उनके साथ एक होंगे (जो जीवित हैं, जो एक बार मर गए थे, उनसे एक होंगे) एक होंगे इससे पहले कि हम यहां ऊपर उठाये जाये।" कारण दुल्हन संपूर्ण होगी, इससे पहले वह वहां पर हो। वे एक जो जीवित हैं, वो ही खुद को वचन के साथ एक कर कर रहे है, और जो जा चुके है उन्होंने पहले ही ऐसा किया है; और वे सब एकसाथ होते है, और वहां ऊपर जाने से पहले एक होने के लिए एक बहुत बड़ी ईकाई को बनाते हैं। आमीन।

94 साम्यवाद को ऊपर आना ही है, इन दूसरी बातों को ऊपर आना ही है, और कलीसिया को उस ओर स्वयं को एक करना ही है, जब वे... और वहां राष्ट्र विश्व कलीसिया संघठन के लिए एक हो रहे है; दुल्हन को स्वयं एक परमेश्वर के वचन के नीचे एक होना है। इसे करने के लिए, परमेश्वर ने स्वर्ग के चिन्हों और ऐसी चीजों को भेजा है, जो कलीसिया को प्रमाणित करता है, वैसे ही उसे राष्ट्र के लिए करना है। आमीन।

95 परमेश्वर; एक होने का समय! जी हां, श्रीमान। ओह, प्रभु! अब ध्यान रखिए अब वहां वचन का एक होना है (वो फिर से एक हो रहा है) "उस विश्वास को जो पवित्र लोगो को एक बार सौंपा गया था," वापस ला रहा है! जिसे केवल इसी दिन में किया जा सकता है। वो समय जब इसे किया जा सकता है, वो ठीक अभी है। इस पर कभी भी और प्रहार नहीं किया गया था; वे तो संस्थागत गतिविधियों में से बाहर निकल आए हैं। लेकिन अब, ये किसी भी संस्थागत गतिविधि से संबंध नहीं है, क्योंकि ये समय है, हर एक स्त्री, हर एक पुरुष, हर एक जाति, हर एक वर्ग, हर मत, हर एक चीज एक होना है, पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के द्वारा मसीह के नीचे और वचन की ओर मुड़ना है।

96 कलीसिया के लिए एक होने का समय है! ओह, प्रभु! हर एक वचन को एक होना है, सब समूह में इन संस्थाओं के द्वारा बिखेर दिया गया है; निसीया, रोम के समय से लेकर, जब वे पहली बार संस्थागत हुए, और उन्होंने लुथर को संस्थागत किया है. वेसली को संस्थागत किया हैं, उन्होंने उन बाकी की सारी कलीसियाओ को संस्थागत किया है। और ऐसा करने के लिए उन्हें एक धार्मिक मत सिद्धांत को अपनाना था, और फिर जब परमेश्वर ने किसी और बात को भेजा तो उसे ग्रहण नहीं कर सके। इसलिए, ऐसा अब तक संभव नहीं हुआ था। और परमेश्वर ने अंतिम दिनों में प्रतिज्ञा की है, "पितरों का विश्वास वापस दुल्हन को फिर से लौटाया जाएगा," यह इस रीति से होगा और यह किसी दूसरे समय में नही हो सका लेकिन इस समय में हो सकता है। देखो आकाश से क्या ही चिन्ह है, जब कि अग्नि का स्तंभ हमारे मध्य में मंडरा रहा है, और प्रभु यीशु मसीह के चिन्ह और चमत्कारों के साथ है। और जब वो हम से बातें करता है, यह पूरी तरह से एक बिंदु भी विफल नही होता है। आमीन! तब हम देखते हैं कि हम कहां पर खड़े हुए हैं। ये एक होने का समय है।

97 हम देखते हैं वे राष्ट्र एक हो रहे हैं, हम देखते हैं संसार एक हो रहा है, हम देखते हैं साम्यवाद एक हो रहा हैं, हम देखते हैं कलीसिया एक हो रही हैं; हम देखते हैं कि स्वयं परमेश्वर अपने को अपनी दुल्हन के साथ एक कर रहा है, जब तक वो और कलीसिया एक ही चीज नहीं बन जाते हैं। हाल्लेलुया! वहां पिरामिड के जैसे। सही है! वह अपने आप को एक साथ एकत्र कर रहे हैं; परमेश्वर एक कर रहा है! क्यों पहले कभी भी, आरंभिक कलीसिया से लेकर, क्या इससे पहले तक उन्होंने उन बातों को देखा, जो हम आज देख रहे हैं। और यह केवल तभी संभव हुआ है जब परमेश्वर ने सात मोहरों भेजा और हमें इसके द्वारा एक चिन्ह को दिया है, और स्वर्ग से सात दूतों को नीचे भेजा; और आकर और उस बिखरे हुए वचन को जो इस नामधारी कलीसिया है, वापस लेकर आ रहा है और फिर से उसे परमेश्वर के वचन में जोड़ता है, ताकि उसके पवित्र आत्मा को नीचे लेकर आए।

98 यीशु ने कहा, "यदि तुम मुझ में बने रहो और मेरा वचन तुम भी बना रहे तो तुम जो चाहे मांगो, वो तुम्हारे लिए हो जाएगा।" फिर से दुल्हन को वचन के साथ एक कर रहा है, जो परमेश्वर है। कलीसिया और वचन, ना की कलीसिया और धार्मिक मत, लेकिन कलीसिया और वचन; दुल्हन और वचन एक साथ एक हो गए हैं। ओह, प्रभु! क्या... क्या वापस लौटाया गया है? मूल पेंतिकोस्ट पूर्वजों का विश्वास, देखो, जिसे लूथर के झुण्ड ने बिखरा दिया था। खुद लूथर के द्वारा नही; लूथर नही, वेसली नही, ना ही वे बड़े संस्थापक। लेकिन उनके चले जाने के बाद, एक कलीसिया उठ खड़ी हुई थी, और उन्होंने... उन्होंने उसके साथ क्या किया, उन्होंने उससे एक संस्था को बनाया। उन्होंने धार्मिक मत और ऐसी ही इत्यादि बातों को ग्रहण कर लिया, और वे दूर चले गए। और आप उनकी ओर देखे, अब वे विश्व कलीसिया संगठना के अंदर चले गए हैं।

99 अब, आप देखते हैं, लेकिन अंत के दिनों में, आप देखते हैं, हम उन बातों को अब होते हुए देखते हैं, जो इससे पहले कभी घटित नहीं हुई थी। देखो, यह परमेश्वर का चिन्ह है, और यह सब एक हो रहे है, ये समय का चिन्ह है। अब, उसे ध्यान से देखना चाहते हैं और इतना निश्चित होना हैं कि हम इसे समझ गए हैं। छोड़ रहे हैं... संस्थाओ के लिए सच्चे वचन को छोड़ते हैं; वचन को लेने बजाये, विभिन्न लोगों के मत सिद्धांत को और विचार धाराओं को अपनाते हैं।

100 प्रकाशितवाक्य दस कहता है, "सातवे दूत का संदेश।" अब ध्यान दे, यह ठीक सात तुरहियों पर है, और वे सात दूत सात तुरहियों को फूंक रहे है। यही बात पर हम आ रहे हैं। लेकिन, ध्यान रखें कहाँ, वहां विशेष रुप से, इसने कहा, "वे दूत... " न ही सातवें दूत की तुरही, लेकिन "सातवे दूत का संदेश," देखो, तुरही का दूत नहीं, संदेश का दूत! देखो, दूत केवल तुरही को फूंकता है, जो कि सातवां दूत था, तुरही का दूत। लेकिन यह कहता है, "सातवे दूत के सन्देश देने के दिनों में," देखिए, जब उसका संदेश समाप्त हो जाता है। देखिए, यही उस कलीसिया के युग का संदेश है। इस समय पर, तब वो... तुरही नही, पर सन्देश, परमेश्वर का गुप्त मनोरथ (जो वचन में लिखा हुआ है) समाप्त हो जाएगा।

101 अब देखिए, यह क्या ही दिन है जिसमें हम रह रहे हैं! उन मोहरो पर ध्यान दे, कैसे उसने परमेश्वर के बिखरे हुए वचन को खींचा, जिसे लूथर और बाकी के उन सबने, वे महान सुधारक छोड़ कर आगे निकल गए थे; ठीक वापस आकर और इसे बाइबल में से दिखाया, कि वे कहां होंगे; हर एक मनुष्य ठीक अपने स्थान पर होगा। वो क्या करेगा और कलीसिया के साथ क्या होगा; वो सारी चींजे जो उसने छोड़ दी थी। और तब, अंत के दिनों में, जब हम इसके बारे में कुछ नहीं जानते थे, हमें पहले से बताई गई, जो निश्चित बात घटित होने जा रही है; और यहां तक समाचार पत्रों तथा उन बातों ने इसे पकड़ लिया और वापस नीचे आकर और इसे प्रकट करता है और रहस्यों के साथ इकट्ठा करता है। आमीन! भाई, यह मेरे लिए बहुत ही प्रभावशील है! यह, मेरे लिए, वचन के साथ मेल खाता है। आमीन! मैं इसकी परवाह नहीं करता हूं, क्या—क्या, या मैं इसकी परवाह रखता हूं कि लोग क्या कहते है, सोचते हैं, यह सही बात है, लेकिन मेरे लिए यही सच्चाई है।

102 जैसे वे ज्ञानी पुरुष, जो बाबुल से आगे आ रहे थे, उन्होंने चिल्लाया, "वो कहां है, जो यहूदियों का राजा जन्मा है? वो ठीक अभी, धरती पर है। हमें उसे ढूंढना होगा।" यह सही है। और मैं सोचता हूँ, वो अपने आगमन के निकट है कि मैं कह सकता हूं, "देखो, दूल्हा आता है, मैं मध्य रात्रि की पुकार को सुनता हूं!" आमीन! हम ठीक समय के अंत पर है। ओह, प्रभु, हम ऐसे समय में रह रहे हैं। ध्यान दे। समझे?

103 क्या ही दिन है! क्या ही समय है जिसमें हम रह रहे हैं, परमेश्वर का

यह महान रहस्य पूरा हुआ हैं; परमेश्वत्व को अंदर ला रहे हैं, दिखा रहे हैं कि यह क्या है; कैसे ये छोटे–छोटे वाद–विवाद है, और भटक कर और उसे *ऐसा* बना डाला है और किसी ने उसे *ऐसा* बना डाला और किसी ने *वैसा* बना डाला। लेकिन प्रभु के दूत ने नीचे आकर और उनके सारे वाद–विवाद को ऊपर लेकर आया और उससे इस सच्चाई को बाहर निकाला और इसे पेश किया। और वहां है ये, बिल्कुल जितना यह सिद्ध हो सकता है, और किसी तरीके से नहीं जा सकते है। यही है, ऐसा ही वो है। देखो, सर्प बीज, सारी—सारी विभिन्न बातें, जो लोगों के बीच बहुत ही रहस्यमयी रही है। देखा? यह क्या है? जो उसके पास थी... यह वो किस बात चिन्ह है? एक होने का!

104 उसने मलाकी चार में क्या कहा? लौटाया जायेगा! मूल पेंटीकोस्टल विश्वास को वापस लोगों के पास फिर से लौटाया जायेगा, उसी पेंटीकोस्टल संदेश के साथ, वही पेंटीकोस्टल का चिन्ह, वही पेंटीकोस्टल का प्रमाण, वही परमेश्वर, वही सामर्थ, वही शिक्षा, हर एक चीज बिल्कुल वैसी ही, जो उसी अग्नि के स्तंभ के द्वारा पहचान देगा, जो दश्मिक के रास्ते में शाऊल के नीचे गिरने पर दिखा, वो आज हमारे बीच में है, वही चीजों को कर रहा है, जो उसने उस दिन पर किये। एक होना!

105 हम देखते हैं, वे राष्ट्र एक हो रहे हैं, हम देखते हैं संसार एक हो रहा है, हम देखते हैं वे कलीसिया एक हो रही हैं, हम देखते हैं दुल्हन एक हो रही है, वो वचन के साथ एक हो रही है। क्यों? वचन ही परमेश्वर है। और जैसे वचन... जैसे दूल्हा (वचन होने के कारण) और दुल्हन (वचन को सुनने वाली होने के कारण) वे एक दूसरे के साथ एक होते हैं। वे एक विवाह के नाई एक होते हैं। देखो, वे एक विवाह के लिए तैयार हो रहे हैं, और वे—वे एक बन जाते हैं। वचन आप बन जाता है, आप वचन बन जाते हो। यीशु ने कहा, "उस दिन तुम इसे जानोगे। जो कुछ पिता है, वह सब कुछ मैं हूं; और जो मैं हूँ, तुम हो; और जो कुछ तुम हो, वो सब मैं हूं। उस दिन तुम जानोगे कि मैं पिता में हूं, पिता मुझ में है, मैं तुझ में हूं, तुम मुझ में हो।" देखा? "उस दिन" पर, कौन से दिन? इस दिन! हम देखते है, परमेश्वर के बड़े गुप्त मनोरथ प्रकट हुए हैं। ओह, मैं इसे कितना पसंद करता हूँ।

106 ओह, देखो, विज्ञान और वचन की तुलना नहीं की जा सकती है, जैसे

वे आज करते हैं। वे ऐसा पहले नहीं कर सकते थे। ऐसा तो इसे अभी ही कर सकते हैं।

107 ध्यान दीजिए, उस ने कहा, "आकाश के चिन्ह, आकाश के चिन्ह।" विज्ञान और राष्ट्रीय चिन्ह; अब उनके पास आज आकाश में बड़े–बड़े चिन्ह है, उनके पास अंतरिक्ष यात्री और सब कुछ है। लेकिन ये अंतरिक्ष यात्री विज्ञान संसार के लिए क्या करते हैं? यह उनके लिए डर को लाते है। वे नहीं जानते, कौन से समय पर, इसी तरह की कोई चीज ऊपर से भेज सकते हैं और बस इन बमो को नीचे डाल सकते है, और हम बच नहीं पायेगे। देखा? अब यही वो चिन्ह हैं जो उनके पास आकाश में डर पैदा करने वाले दृश्य है। समझे? उनके पास, अणु बम और सभी कुछ है सभी प्रकार के चिन्ह है।

108 आप जानते हैं उन्होंने कहां एक दिन इस—इस समझौते पर हस्ताक्षर किए, वे अब और बम को विस्फ़ोट नहीं करेंगे, लेकिन अब वे उनका प्रक्षिक्षण उसी तरह से पानी के अन्दर और भूमि के नीचे करने जा रहे हैं। समझे? उन्होंने एक समझौते पर हस्ताक्षर को किया है, "हम यह नहीं करेंगे, यदि आप कहते हैं हम इसे नहीं करेंगे (लेकिन हम वापस घर जाकर और उसे उसी तरह से करेंगे; जब कि हम जानते हैं वहां पर ठीक उसी प्रकार कर रहे है)" समझे? वहां ऐसी बात ही नहीं है, यह तो बस... उनके मध्य में कोई भी भरोसे वाली बात नही है, वहां कुछ भी, कुछ भी नही है। आप... समझे? हर कोई एक दूसरे से डरा हुआ है। यही एक सबसे डरावना चिन्ह है।

109 विज्ञान और मनुष्य और राष्ट्रों ने ही आकाश में एक डरावने चिन्ह को उत्पन्न किया हैं। यह बिल्कुल सच है। अब, एक दूसरे से डरना। और आकाश के चिन्ह जो दिए गए हैं... देखें अब, उनके पास भी आकाश में एक चिन्ह है, एक डरावना चिन्ह, एक मनुष्य, एक अंतरिक्ष यान में; हो सकता है, उसके पास एक परमाणु बम हो और वह नीचे गिरा कर और सारे राष्ट्रों को नष्ट कर सकता हो। एक अंतरिक्ष यान में चढ़ जाये और वहां पर बने रहें। आपको ऐसा करने से कोई भी नही रोकेगा। वे इसे निश्चय ही कर सकते हैं, वे... जब भी वे चाहे इसे कर सकते हैं। वे उसे मिट्टी में मिला सकते हैं... यदि वे चाहते थे तो अब से पंद्रह मिनट के अंदर ही। और जो वो एक कर सकता है, ठीक वैसा ही दूसरा भी कर सकता है। इसलिये आप देखते हैं

कि उनके पास एक चिन्ह है, लेकिन इस प्रकार का चिन्ह उनके अन्दर डर को लाता है।

110 वे एक साथ इकट्ठा हो रहे हैं, अपनी ताकतों को एक साथ मिला रहे हैं। आजाद संसार, वो अपनी ताकत को एक साथ मिला रहा है। साम्यवाद अपनी ताकत को रूस के साथ मिला रहा है। हर एक जन; लेकिन हर एक, दूसरे से डरा हुआ है। देखो, यह एक डर से भरा हुआ चिन्ह है। यह सच है। यही एक राष्ट्रीय चिन्ह, और बातें है।

111 लेकिन कलीसिया ने स्वर्गीय चिन्ह को ग्रहण किया है; एक अंतरिक्ष यात्री! आमीन! जो यीशु मसीह है, जो अग्नि के खम्भे के रूप में है; यही है जो वो पुराने नियम में था, जो वो था, जिसने वहां दश्मिेक के रास्ते पर शाऊल से मुलाकात की थी, वही यीशु आज यहां पर है! और ये क्या करता है? क्या वो डर को लेकर आता है? ये उस प्रेम को लाता है, जो एक दुसरे से एक कर रहा है। आमीन! एक दूसरे के महसुस प्रति करना। ये परमेश्वर के प्रेम को लाता है, ओह, हमें एक करता है, हमें लेकर आता है, और मसीह की देह में, एक दुल्हन की नाई एकता में लाता है। यही है जो वो अब कर रहा है, यह महान एकता है जो परमेश्वर...

112 वे अपने आप को एक कर रहे है, एक झुंड जो *यहां* पर है दूसरे झुंड से लड़ता है, एक झुण्ड *यहां* पर, दूसरे झुंड से लड़ने के लिए। यहां पर एक कलीसिया उनके मध्य में खड़ी हुई है; आप ध्यान दे, क्या होता है ये उनके साथ एक हो जायेगी। यह बिल्कुल सही है। लेकिन अब हम पाते है कि यह भय और निराशा लेकर आता है।

113 लेकिन कलीसिया, दुल्हन, वो एक हुई है, एक परमेश्वर के द्वारा, एक आत्मा के अंतर्गत, वो परमेश्वर की पवित्र एकता में, परमेश्वर की एक पवित्र दुल्हन बनने के लिए। यह सच है, सब मिल कर; ये देह की एकता है। वो देह एक दुल्हन की नाई प्रतीक्षा कर रही है; जैसे—जैसे कि वो दुल्हन है, जैसे कि हम अपने आप को दुल्हन कहते हैं। क्योंकि दुल्हन के लिए एक होने का समय है, कलीसिया इतनी एकत्र होती जा रही है। इससे हमारे मध्य में बस इतना प्रेम उत्पन्न होना चाहिए कि हम कदाचित् ही एक दूसरे से दूर हो सकेंगे। यह सही है। हम बस... आप लोगों से प्रार्थना करने के लिए विनती नहीं करेंगे, आपको लोगो से परमेश्वर की आराधना करने के लिए विनंती नही करनी पड़ेगी, आपको लोगो से विनंती नही करनी पड़ेगी

कि वही करे जो सही है। वे तो केवल उससे इतना प्रेम कर रहे होते हैं, इतना तक वहां अन्य कुछ है ही नहीं।

114 आप उस एक छोटी लड़की के बारे में क्या सोचते है, जो बहुत सुंदर युवा दासी है, जो विवाह करने जा रही है, वो कोई खुबसूरत युवा पुरुष है, वो लड़की उससे पागलपन की हद तक प्रेम करती है, मतलब वो उससे खुद अपने जीवन से भी बढ़कर प्रेम रखती है, और वह भली भांति जानती है कि वे विवाह करने जा रहे है। जब विवाह का दिन नजदीक आने लगता है, मैं आपको बताऊंगा, वह बस पूरी तरह से "यहाँ–वहां घुमती रहती" है। समझे? वो बस सबकुछ तैयार करती रहती है; वह स्वयं को उसे पूरी तरह से समर्पित कर देती है। यह सही है। हर एक चीज जिससे वो प्रसन्न होता है, वो केवल उसी काम को करना चाहती है। तो, ठीक इसी तरह से आज की कलीसिया होनी चाहिए, हमारा जीवन मसीह में से होते हुए इतना परमेश्वर में छिपा होना चाहिए कि हम उसके अंदर पवित्र आत्मा से मोहरबंद हो जाये।

115 जिस बात की मैं आपको यहाँ शिक्षा दे रहा हूं, बता रहा हूँ कि ये चिन्ह और विभिन्न बातें हो रही है, मेरे पास अब इसे बताने का समय नहीं है; प्रभु की इच्छा हुई तो मैं किसी और दूसरे संदेश में बताऊंगा। लेकिन अभी भी कलीसिया में एक बात की कमी पायी जाती है। और हम लेना चाहते हैं और मैं उसे ले लूँगा, और मैं ठीक उसकी कगार पर हूं। देखा? हम उसी पर आना चाहते है, यदि... आपको उसे करना है। यदि आप इसे करना नहीं चाहते हैं, यही वह सब कुछ है जो आपको करना है, आपको उसे करना ही है। क्योंकि देखिए एक होने का समय निकट है, क्योंकि परमेश्वर कलसिया को एक साथ ला रहा है उस एक—एक रेपचर के होने के लिए ताकि वो एक विवाह के महान मिलाप के लिए चली जाए: जब परमेश्वर और मनुष्य अनन्ता के लिए एक हो जायेगे, जब समय की रचनाये अनंतता के साथ एक हो जाती है।

116 इसे एक बार धरती पर मनुष्य के पुत्र के रुप में किया गया था। और उसे जीवन को लाना था ताकि सामर्थ को लाये, ताकि दुसरे मनुष्य को इस उसी सामर्थ के साथ एक करे, यीशु मसीह के दुल्हन के लिए। और अब कलीसिया खुद को मसीह की देह के साथ एक कर रही है। उसने अपने आप को आजाद कर लिया है, हर एक छोटी से छोटी जंजीर को

काट कर अलग कर दिया है, खुद को तैयार कर रही है; एकत्र हो रही है, उनके मध्य में एकता हो रही है; ओह, उनके मध्य में एक प्रेम और आनंद है, और उनके मध्य में पवित्र आत्मा मंडरा रहा है। ओह, प्रभु, क्या ही समय है!

117 जैसा कि हम देखते हैं की बदखे तैयार हो रही है, हंस तैयार हो रहे हैं, हम देखते हैं की मधु... मधुमक्खियां तैयार हो रही हैं, हम देखते हैं कि बादल बारिश के लिए तैयार हो रहे हैं, हम हर एक चीज को तैयार होते हुए देखते हैं; क्योंकि यह एक दबाव है; हम राष्ट्रों के संगठन को देखते है, जो राष्ट्र का एकत्र होना है, अपने आप को साम्यवाद में एक कर रहे है। हम उन्हें देख रहे है कि यहां पर पश्चिमी जगत से मिला रहे हैं। हम देखते हैं कि कलीसिया अपने आप को एक साथ एकत्र कर रही है, वे सारे दूसरे अपने आप को एकत्र कर रहे हैं। अतः यह बिल्कुल असंभव है कि ये किसी भी तरह से किसी और समय में हो सकेगा; यह इस तरह से बीस वर्ष पहले नहीं हो सकता था, यह इस तरह से नहीं हो सकता था। यह इस तरह से दस वर्ष पहले नहीं हो सकता था, इसे इस तरह से ठीक इसी समय पर होना था, देखो, क्योंकि यह मत और बातें इस स्थान तक नहीं आई थी।

118 अब जाग जाओ! अपने आप को जल्दी से झंझोरो और वहां से बाहर की ओर दृष्टि डाल कर देखो कि हम कहां पर हैं! हम कहां हैं? जैसे वे ज्ञानी पुरुष थे, हम वचन के साथ ठीक पंक्ति में है, और प्रभु का उजाला हमारे उस रास्ते पर चमक रहा है। स्वर्ग में परमेश्वर की महिमा हो। और उस परमेश्वर की महिमा हो, जिसने हमें यीशु मसीह दिया, जिसे हम प्रेम करते हैं, और जो हमें इस स्थान तक लेकर आया है। और जैसा की... हम उसके लोग हैं, जो उसके लहू से ख़रीदे गए हैं।

119 ओह, प्रभु! जब एक होने का समय आता है, हम देखते है, जब हम उसकी आत्मा के बंधनों में एक दूसरे से एक होते हैं, हम... क्या यह उसका आत्मा हो सकता है? निश्चय ही, यह उसका आत्मा है। यह क्या है? यह उसका वचन है और वो... वो वचन का आत्मा है। और जब वो आत्मा की प्रतिज्ञा आप पर आती है और प्रमाणित करती है और वह स्वयं को ठीक यहां पर दिखाती है, क्या यह वही आत्मा है? यह वही एक है जो जंगल में मूसा के साथ था! यह वही एक है जो यीशु मसीह के ऊपर था! यही

वही एक है जिससे शाऊल से उसके दश्मिक के रास्ते पर मुलाकात की थी! वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है! और वो ठीक उसी चीज को करता है!

120 और हम राष्ट्रों को इक्कट्ठा होते हुए देखते हैं, हम कलीसिया के प्रधानों को इक्कट्ठा होते हुए देखते हैं, हम साम्यवादीयो को इक्कट्ठा होते हुए देखते हैं, हम इन सब बातों को देखते हैं; और अब हम दुल्हन को वचन के साथ एक होते हुए देखते हैं। ओह, प्रभु! ये वो समय है कि जब संत लोग उठेगे ताकि जो जीते हैं, उनसे एक हो जाये और अनंता के लिए यीशु मसीह के साथ एक होने के लिए चले जाये।

121 होने पाये परमेश्वर हममें से हर एक की सहायता करे, कि आज रात मसीह के साथ एक हो जाये, जो कुछ भी हम हैं, समर्पित करेंगे और जो कुछ भी हमारे पास है, हमारा संपूर्ण प्राण, और मन, यीशु मसीह के लिए, और उस एक होने के समय की ओर देखे।

> जब परमेश्वर की तुरही फूंकी जायेगी, तब समय और अधिक ना रहेगा,
> और सुबह अनंता में उदय होती है, उज्ज्वल और साफ
> जब मसीह में जो मरे हुए हैं, जी उठेंगे एक छोर से दूसरे छोर तक वे एकत्र हों (दुल्हन के साथ, जो जीवित हैं) उसके साथ इकट्ठा होकर उठा लिए जायेंगे।

122 एकत्र होने के देखे! परमेश्वर कलीसिया को अपने वचन के साथ एक रहा है, वचन को कलीसिया के साथ, जिससे वे दोनों एक बन जाए, "*इसे* कहो और ये हो जाएगा, *यह* करो और वो हो जाएगा।" यह ऐसे ही है; ये तुम्हारे सामने मैं हूं, और यह मैं ही हूं जो उसे प्रमाणित कर रहा हूं; यह मैं ही हूं जो तेरे साथ हूँ। तो ठीक है।

123 अब हम पाते है, कि समय आया है जब तुरही फूंकी जाती है, और वे संत लोग जो वहां पहले के समय में थे, हमारे बिना वे सिद्ध नहीं किये जा सकते हैं; वे हम पर निर्भर है, (इब्रानीयो 11); और जब वे एकत्र होकर आते हैं, तब वे जो जीते हैं उनसे एक होते हैं। कलीसिया वचन से एक हो रही है, फिर कलीसिया और वचन एक साथ एकत्र हो रहे हैं, वे एक हो रहे हैं। मरे हुए संत लोग, जीवते संतो के साथ एक हो रहे हैं ताकि वे एकत्र

हो जाए; और वे सब उस ओर इक्कट्ठा हो जाये, ताकि मसीह के साथ एक होकर, उस मेमने के विवाह के भोज के लिए जाये।

124 यह एकत्र होने का समय है, और चिन्ह हर जगह पर दिखाई दे रहे हैं। राष्ट्रों में चिन्ह है, साम्यवाद में चिन्ह है, पश्चिमी जगत में चिन्ह है, विश्व कलीसिया संगठन में चिन्ह है। और आज रात यहां पर पवित्र आत्मा के तत्वाधान के नीचे चिन्ह है, और परमेश्वर का वचन इसे प्रमाणित कर रहा है और इसे सत्य बना रहा है। आमीन! एक होने का समय! एक होने के समय का चिन्ह!

आइए हम अपने सिरों को झुकाये।

125 प्रभु यीशु, जैसे मेरा दीन हृदय आनंद से उछल जाता है, जब मैं संभावनाओं को देखता हूं (मैं जो मध्य आयु का व्यक्ति हूँ) लेकिन अब भी मुझे आपको इस पीढ़ी के लिए आते हुए देखने की संभावनाएं है; जीवित होकर और यहां खडे हो, कि यह देखे जब वो तुरही फूंकी जाती है, "वह जो मलिन है, वो मलिन बना रहे। वो जो धर्मी है वो धर्मी ही बना रहे, जो पवित्र है, पवित्र बना रहे।" ओ, प्रभु परमेश्वर!

126 और हमारे बारे में सोचते हुए खड़े हुए है, क्षण भर में, पलक झपकते ही, जब संसार नहीं जानेगा कि क्या हो रहा है, लेकिन अचानक ही, आप देखोगे आपके सामने प्रगट होगा, आपके अपने प्रियजन दृष्टिगोचर हो जायेंगे, जो आपके साथ एक बार फिर मिलने को आये हैं। और हम क्षण भर में पलक झपकते ही बदल जायेंगे; और एक साथ हवा में ऊपर उठा लिए जायेंगे कि हम हम प्रभु से हवा में मिले। और फिर उसके साथ एक हो जायेंगे, वहां हमेशा के लिए रहेंगे, और फिर कभी भी उसकी उपस्थिति से बाहर नही आयेगे।

127 आज ये क्या ही बड़ी बात है, प्रभु इस बात को जानना कि अब हम एक ही आत्मा के द्वारा एकत्र हुए हैं। एक ही आत्मा, वो पवित्र आत्मा, उसके पास उसकी पकड़ में वचन है, जो हमारे अंदर आ रहा है। और यह क्या ये महान बात है, यह क्या ही सौभाग्य की बात है कि स्वयं को सारे संसार से मुक्त कर के यीशु मसीह के अंदर खुद को एक करना। और यह सोचना, कि किसी दिन हम एक शारीरिक दशा में, उस देह के साथ जैसे उसकी महिमामय देह है, और विवाह के भोज की मेज पर बैठे हुए होंगे और वहां उसके साथ एक होंगे और उसके साथ विवाह में बन्ध जायेंगे; यह दुल्हन

और दूल्हे के रूप में हर समय के लिए रहेंगे, जो आने वाला है, जो कभी न खत्म होने वाली अनंता है।

128 प्रभु परमेश्वर, होने पाये यह लोगों के लिए केवल कोई काल्पनिक विचार ना हो, लेकिन होने पाये यह उनके लिए एक ऐसी वास्तविकता बन जाए इतना तक कि लोगों के अंदर ऐसी भूख और प्यास हो जाए कि वे... अपने समाचार पत्र को पढ़ रहे हो, देख रहे हो... रेडियो और खबरों पर सुन रहे हो और देख रहे हो यह एक होने का समय है। चिन्ह चमक रहे हैं।

129 प्रभु परमेश्वर, जैसा की हमने उस स्त्री के बारे में बोला कि वे अंत के दिनों में क्या करेंगे; कलीसिया अंत के दिनों में क्या करेगी; और कलीसिया काल क्या होंगे, और मोहरे क्या होंगी, और यह सारी दूसरी बातें क्या होगी। और हम ऐसा ही देखते हैं जैसा ये था, नुह के दिनों में था। और हम इसे वैसा ही देखते हैं जैसा ये था, सदोम और लूत के दिनों में था, जब प्रभु का दूत स्वयं को मनुष्य की देह में प्रकट हुआ जिसने गाय का मांस खाया, और गाय का दूध पीया, रोटी खाई; और वह खड़ा हुआ था, और वो बता सकता था कि उसके पीछे क्या हो रहा था। और यीशु ने उसी बात को कहा, कि यही मनुष्य के पुत्र के समय के आने पर जगह लेगा।

130 प्रभु परमेश्वर, हमने पिरामिड को देखा हैं, कैसे इसका वहां निर्माण हुआ, और देखो कि कैसे हमने उस पर इन चींजो को जोड़ा; और पाते है कि हम अंतिम समय में हैं, मुख्य कोने के पत्थर की बाट जोह रहे हैं। परमेश्वर की महिमा हो! हम प्रार्थना करते हैं, पिता, कि आप लोगों को अब जल्दी से जगायेगे, और हमें एक साथ इक्कट्ठा करें, परमेश्वर के प्रेम और यीशु मसीह के प्रति आदर और एक दूसरे के प्रति आदर हो।

131 यदि आज रात वहां पर कोई ऐसा है जिसके पास वो आशा आपके भीतर विश्राम नहीं कर रही है, क्या आप अपने हाथ को परमेश्वर की ओर उठायेंगे और कहेंगे, "प्रभु परमेश्वर, मुझे अपने साथ एक कर लीजिए, मुझे अपने साथ एक कर लीजिए? " परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई। परमेश्वर आपको आशीष दे, और आपको, आपको; हाँ। "प्रभु, मुझे अपने साथ एक कर लीजिए।" जी हां! ओह, प्रभु!

राष्ट्र टूट रहे हैं, इस्राएल जाग रहा है,

132 वहां पर इस्राएल पर दृष्टि डालिए, एकत्र हुआ है। इस्राएल, सारे संसार भर से, एकसाथ आये ताकि अपने आप को इक्कट्ठा करे; ताकि अपने आप

को इक्कट्ठा करे और अब वे एक राष्ट्र हैं। वे एक संयुक्त राष्ट्र है; जिन के पास अपना खुद का झंडा है, खुद की मुद्रा है, खुद की सेना है, हर एक चीज; यदि वे कभी थे, तो वे अब है। इस्राएल एकत्र हुआ है, रोम एकत्र हुआ है, कलीसिया एकत्र हुई है। और दुल्हन एक हो रही है, आमीन; और उस महान मिलाप का आना हो रहा है। यह क्या है? यह सब उसी चिन्ह की ओर अग्रसर हो रहा है, जो मुख्य महत्वपूर्ण चिन्ह है, यीशु और उसकी दुल्हन एकत्र हो रहे है, जैसे वे एक हो।

133 पिता परमेश्वर, आप इस आशीष को प्रदान करें, जिसे मैं इन लोगों के लिए मांगता हूँ, और होने पाये हम आपसे हृदय और आत्मा में एक हो जाये, जब उन्होंने अपने हाथो को ऊपर उठाया हैं, इसी इच्छा को रखते हुए। प्रभु परमेश्वर, हमें साफ कीजिए और हमें अपना बनाइए; प्रभु, इसे प्रदान कीजिए। यही है वो सब जो हम जानते हैं और हम कर सकते हैं कि आप से मांगे। और फिर आपने कहा, यदि हम इसे मांगते हैं और इसका विश्वास करते हैं तो हम इसे पायेगे, प्रभु; मैं इसी के लिए देख रहा हूं, मैं आपका यीशु मसीह के नाम से धन्यवाद देता हूं। आमीन।

मैं उसे प्रेम करता हूं, मैं उस प्रेम करता हूं,
क्योंकि उसने मुझसे पहले प्रेम किया,
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
उस कलवरी के पेड़ पर। (आमीन। ओह, मेरे परमेश्वर!)

देखो, दूल्हा आता है!
मैं मध्य रात्रि की पुकार को सुनता हूं!
यहां एक ललकार के साथ ऊपर चले जायेंगे, यदि हम सब उम्मीद रखते है,
और उससे आकाश में मिलेंगे।

देखो, और प्रार्थना करो, मेरे भाई,
कहीं ऐसा न हो, कोई तुम्हारे ताज को ले ले,
क्योंकि जो पीछे हटे हुए और गुनगुने है।
वे विवाह के वस्त्र को नहीं पहनेंगे।

134 यह सही है। आओ हम इस मध्य रात्रि की पुकार के लिए तैयार हो जाये। यह उस घड़ी में होने जा रही है, जब आप सोचेगे भी नहीं। वहां

एक पुकार होगी; न ही अविश्वासी संसारी लोगो के मध्य में; यह तो गुप्त में होगी। लेकिन विश्वासी लोग, जो इसके लिए देख रहे हैं, क्या आप तारों को एक पंक्ति में आते हुए देखते हैं? देखा? इसने क्या उत्पन्न किया? बिल्कुल ठीक वहीं जो उसने पहली बार किया था। देखो, हम वही पर हैं, वे चिन्ह आ रहे हैं।

हम उसके धन्य आगमन के चिन्हों को दृश्य पर आते हुए देखते हैं
देखो, अंजीर के पत्ते अब हरे हो रहे हैं;
राज्य का सुसमाचार हर एक राष्ट्र के लिए जा चुका है;
और हम निकट हैं, उस अंत को देखा जा सकता है।

फिर, आनंद से करेंगे, हम उसके धन्य आगमन के संदेश की घोषणा करेंगे।

135 क्या यह सही है? ओह, उसके धन्य आगमन की घोषणा करें! यही है, जो हमें करना है। हर एक को बताओ, "तैयार हो जाओ, परमेश्वर से मिलने को तैयार हो जाओ।" आमीन! मैं उससे प्रेम करता हूं। ओह, मैं उससे कितना प्रेम करता हूं। अब आइये, हम अपने पैरों पर खड़े हो जाए। जैसा कि हम एक दूसरे से मिलते हैं, एक दुसरे के पास जाये और किसी से हाथ मिलाकर और कहे;

जब तक हम न मिले! (अब हाथ को मिलाये)... हमारे मिलने तक!
जब तक हम प्रभु के चरणो पर मिले;
तब तक हम...

याद रखिए, आप हो सकता है, आपके पास एक बुलावट हो। हमारी अगली भेंट उसके चरणों पर हो।

ओ परमेश्वर आपके साथ हो, जब तक हम फिर मिले!

136 अब, जरा सोचिए, इससे पहले हम दोबारा मिले; इससे पहले हम रविवार सुबह को मिले, या बुधवार रात को मिले, यह हो सकता है कि... पहली बात आप जानते हैं कोई तो गायब हो गया है। वो एक गायब हो गए है और वे जा चुके है। ओह, ये सोचे आपका पति गायब हो गया है, या आपकी पत्नी गायब हो गयी है, और जॉन (फलां) की पत्नी गायब हो गयी

है। और—और—और वहां बच्चे गायब हो गये है। सब कुछ घटित हो चुका है (क्या होता है?) तब आप वही पर छूट जाते हैं।

ओह, क्या ही रोना और विलाप होना होता है, जब नाश हुए को उनका अंत बताया जाता है,
वह पहाड़ों और चट्टानों और पहाड़ो से चिल्लाकर कहते हैं, (जैसे इस्राएल नगर की ओर वापस, मंदिर की ओर जा रहा थे।)
उन्होंने प्रार्थना की, लेकिन उनकी प्रार्थनाओ में बहुत ही देर हो चुकी थी।(उन्होंने संदेश को ठुकरा दिया था।)

137 ओह, भाई तुम कभी ऐसा मत करना। जो भी कुछ करते हो, आप उस बात के लिए साहसी बने रहना! जी हां, श्रीमान!

138 अब, जब तक हम एक साथ न मिले, हम इसे करेंगे;

यीशु का नाम अपने साथ ले,
हर मुसीबत के लिए एक ढाल की नाई;
जब परीक्षा तेरे चारों ओर से घेर ले, (आप क्या करते हैं?)
उस पवित्र नाम की प्रार्थना में साँस ले।

बहुमूल्य नाम, ओह, कितना मधुर नाम!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम, ओह, कितना मधुर नाम।
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद!

139 आईये अब हम अपने सिरो को झुकाये, जब हम इसे गाते हैं।

यीशु नाम को नमन कर रहे हैं,
उसके चरणों पर दंडवत कर रहे हैं,
राजाओं का राजा स्वर्ग में... उसकी ताजपोशी हो;
जब हमारी यात्रा पूरी होगी। (ये किसी दिन पूरी हो जायेगी)

ओ बहुमूल्य नाम, बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर नाम!

जब तक हम फिर से एक साथ न मिले, परमेश्वर आपके साथ हो।

धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
ओ बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर नाम! ओ कितना मधुर नाम!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

एक होने का समय और चिन्ह HIN63-0818

(The Uniting Time And Sign)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार शाम, 18 अगस्त, 1963 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है, और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org